प्रोगाम प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर)

एम.ए. हिंदी

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय,

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्राद्योगिको विश्वविद्यालय, हिसार

PC (BA)

प्रोगाम प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर)

एम.ए. हिंदी

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय,

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्राद्योगिको विश्वविद्यालय, हिसार

27/01/2022
PC (BA)

प्रोगाम प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर)
एम.ए. हिंदी

1. प्रोगाम–मिशन–उद्देश्य

मिशन

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत एमए. हिंदी कार्यक्रम का मिशन हिंदी भाषा की उन्नति और विकास में योगदान देना है। इस सत्र 2022–23 में शुरु होने वाला यह कोर्स हिदी भाषा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त करने और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए यह नई शुरुआत होगी।

उद्देश्य

- स्नातक के पश्चात ऐसे शिक्षार्थी जो कला में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करने के इच्छुंक है उन्हें उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना।
- हिंदी के अध्ययन अध्यापन द्वारा नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना।
- हिंदी विषय के प्रति छात्र–छात्राओं में रुचि उत्पन्न करना।
- छात्र–छात्राओं में होने वाली कारयत्री प्रतिभा को पहचानकर उनके गुणों को बढ़ावा देना।
- छात्र–छात्राओं को पूरे पाठ्यक्रम के संदर्भ में उचित और नियमित मार्गदर्शन करना।
- हिंदी विषयक कार्यशाला और संगोष्ठियों का आयोजन।
- विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों का आयोजन करना।
- छात्र–छात्राओं को पाठ्यक्रम की पुस्तके तथा संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध कराना।
- साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में निर्णय लेने के कौशल को विकसित करना ताकि वह सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक होते हुए सही सोच रखते हुए प्रभावी निर्णय ले सकें।
- नई शिक्षा नीति के अनुरूप हिंदी के प्रचार प्रसार उन्नयन में योगदान देना।

2. उच्च शिक्षा संस्थान (एचईआई) मिशन, लक्ष्य और कार्यक्रम की प्रासंगिकता

• एचईआई का मिशन

विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त उत्कृष्ट संस्थान है। यह नवोन्मेषी रोजगारमूलक पाठ्यक्रम शुरू करके, सक्षम और प्रेरित संकाय को नियुक्त करके, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे को विकसित करके, उद्योग और पेशेवर निकायों के साथ उद्देश्यपूर्ण संबंध स्थापित करके और गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय ज्ञान और रचनात्मकता के साथ अकादमिक संसाधनों का उपयोग करते हुए, विद्यार्थियों को प्लेसमेंट के अवसर देते हुए समग्र मानव विकास में सतत विकास को बढ़ावा देता है।

• एचईआई के लक्ष्य

अधिनियम में निहित विश्वविद्यालय के उद्देश्य उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देना और नई सीमाओं पर ध्यान केंद्रित करना और इनसे जुड़े क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं और वर्तमान वैश्विक प्रतिस्पर्धी माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने में योगदान देने वाले कुछ क्षेत्रों में अपनी पहचान बना ली है।

• एचईआई के मिशन और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय का एम.ए.हिंदी स्नातकोत्तर प्रोग्राम प्रारंभ करने का प्रस्तावित लक्ष्य है। इस कार्यक्रम की योजना और पाठ्यक्रम बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा पास किया गया है और इसे अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है। 2019–20 में, यूजीसी के ओडीएल दिशानिर्देशों के अनुसार नियमित मोड के अनुरूप दूरस्थ कार्यक्रम के लिए समान योजना और पाठ्यक्रम को अपनाया गया है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को आवश्यक सैद्धांतिक, व्यावहारिक ज्ञान देते हुए उन्हे अपनें क्षेत्र में विशेषज्ञ और पेशेवर बनाते हुए उनकी रचनात्मक सोच को विकसित करते हैं।

3. शिक्षार्थियों का संभावित लक्ष्य समूह प्रकृति और दष्टिकोण

शिक्षार्थियों का लक्षित समूह मिश्रित प्रकृति का होगा। कुछ नौकरीपेशा हैं और कुछ बेरोजगार हैं। जो अपनी स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अध्ययन करना चाहते हैं और जो किसी कारण अपनी आगे की शिक्षा जारी नही रख पाएं और जो व्यक्ति नियमित मोड में उच्च शुल्क का भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं और जो अपने करियर को बढ़ाना चाहते हैं वे कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्र के रूप में नामांकित हो सकते हैं।

➢ **लक्ष्य समूह की संरचना**

शिक्षा प्राप्त करने की एक निर्धारित उम्र बीत जाने के बाद जो अपनी शिक्षा जारी रखना चाहते हैं वे लाभ प्राप्त कर सकते है।

जो शिक्षार्थी स्नातक के बाद हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर करना चाहते है।

विश्वविद्यालय के कर्मचारी ग्रेड पे के अनुसार विशेष रियायत शुल्क के साथ , हरियाणा के अनुसूचित जाति के छात्र सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार स्नातक छात्रवृत्ति (पीएमएस) के अनुसार शिक्षा ग्रहण कर सकते है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रहने वाली गृहिणियां, गृह निर्माता स्वयं को पढ़ने के लिए तैयार कर सकते हैं और अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

विकलांग, दिव्यांग साहित्य की डिग्री को आसानी से पढ़ सकते है।

दूरस्थ क्षेत्रों के लोग इस कार्यक्रम के प्रमुख शिक्षार्थी हैं।

जो व्यक्ति किसी लघु उद्योग या लघ कुटीरों में कार्यरत है, वे लाभान्वित हो सकते हैं।

4. विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए ओपन और दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) मोड में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता

- एम.ए. हिंदी कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विशेष स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में से एक है।
- यह प्रोग्राम साहित्य का अध्ययन करने की अनुमति देता है।
- यह प्रोग्राम स्नातकोत्तर के बाद आगे पीएच. डी करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- यह प्रोग्राम विद्यार्थियो को सामाजिक दायित्वो के प्रति जागरूक करते हुए लोक कल्याणकारी कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- यह प्रोग्राम साहित्य अध्ययन के साथ–साथ, समस्याओं को हल करने और समय सीमा तक काम करने के लिए छात्रों के अकादमिक कौशल को विकसित करता हैं।
- जो शिक्षार्थी नियमित कक्षाओं में नहीं जा सकते, और जो अपनी शैक्षणिक योग्यता में सुधार करना चाहते हैं ऐसे स्नात्तक जो अपने करियर के लिए अपनी योग्यता को उन्नत करना चाहते हैं। वे किन्ही कारणों से अपना नामांकन नहीं करा पाएं उन्हें भी इस कोर्स से लाभ होगा।

➢ **सीखने के परिणाम–**

भाषा ज्ञान : छात्र भाषा एवं साहित्य का ज्ञान अर्जन करते हुए स्वयं में मानवीय मूल्यों को आरोपित करने में सक्षम होंगे।

विश्लेषक क्षमता : छात्र सामाजिक आवश्यकताओं और समाज सेवा को समझने में सक्षम होंगे। छात्र सामाजिक एवं साहित्यिक आवश्यकताओं का विश्लेषण कर पायेंगे।

प्रतिनिधित्व क्षमता : छात्र समाज का रचनात्मक दृष्टि से प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होंगे।

समाज कल्याण : छात्र साहित्य के माध्यम से समाज कल्याण में प्रवृत होंगे।

5. पाठयक्रम योजना (सिलेबस डिजाइन)

सभी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रोग्राम की पाठ्यक्रम योजना तैयार की गई है। विभागीय समिति द्वारा पाठ्यक्रम का डिजाइन और मूल्यांकन किया जाता है। इसके बाद पाठ्यक्रम को बोर्ड ऑफ स्टडीज में रखा जाता है। अंतिम रूप से पाठ्यक्रम को अंतिम अनुमोदन के लिए अकादमिक परिषद में रखा जाता है। दूरस्थ शिक्षा का विशेष निकाय सुनिश्चित करता है कि दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम में नियमित कार्यक्रमों के समान पाठ्यक्रम हो। हालांकि जब भी मौजूदा पाठ्यक्रम में संशोधन/परिवर्धन किए जाते हैं, तो अध्ययन बोर्ड और अकादमिक परिषद का अनुमोदन प्राप्त किया जाता है। कार्यक्रम को वार्षिक प्रणाली(सेमेस्टर) मोड में डिजाइन किया गया है।

➢ **पाठ्यक्रम प्रारूप**

यह मात्र अध्ययन का एक पाठ्यक्रम नहीं है। इसका व्यापक उद्देश्य छात्रों को भाषा और साहित्य से जोड़ना भी है। इसके अन्य उद्देश्यों में शिक्षार्थियों को ओडीएल वातावरण, अनुभव शिक्षकों और शिक्षण एवं अधिगम की प्रक्रियाओं के साथ नवीन प्रयोग करने और वास्तविक संदर्भों में साहित्य और भाषा के महत्व को एकीकृत करने के कई अवसर प्रदान करता है। रचनात्मक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया भी व्यापक और निरंतर होनी चाहिए जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों पैरामीटर शामिल होने हैं। निर्देशात्मक डिजाइन में प्रिंट, ऑडियो या वीडियो, ऑडियो विजुअल और ऑनलाइन कंप्यूटर एडेड सिस्टम शामिल हैं। नए दौर में यह विभिन्न तरीकों से छात्रों को सहायता प्रदान करता है। इसलिए, वर्तमान में चल रहे एक उचित पाठ्यक्रम के साथ (सेमेस्टर–वार्षिक प्रणाली) को डिजाइन किया गया है। पाठ्यक्रम का शैक्षणिक सत्र (2022–2023) है। विश्वविद्यालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रत्येक वर्ष जुलाई से जून तक होगा। इसे नए बैच के साथ सेमेस्टर–रुप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसलिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम में चार सेमेस्टर हैं जो दो वर्षों में विभाजित हैं।

Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

M.A. Hindi (Previous and Final) Year 1st, 2nd, 3rd and 4th Semester

Scheme of Examination

(w.e.f. the academic session 2020-21)

1ST SEMESTER

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	External Marks	Internal Marks	Total Marks	Time
Paper-A	MAHN – 101	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-B	MAHN – 102	हिन्दी साहित्य का इतिहास(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-C	MAHN – 103	आधुनिक गद्य–साहित्य (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-D	MAHN – 104	आधुनिक हिन्दी काव्य (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-E	MAHN – 105	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-F	MAHN – 106	जयशंकर प्रसाद(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-G	MAHN – 107	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-H	MAHN – 108	प्रेमचंद(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-I	MAHN – 109	पत्रकारिता प्रशिक्षण(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-J	MAHN – 110	अनुवाद–विज्ञान(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-K	MAHN – 111	हरियाणवी भाषा और साहित्य (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs

2ND SEMESTER

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	External Marks	Internal Marks	Total Marks	Time
Paper-A	MAHN – 201	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-B	MAHN – 202	हिन्दी साहित्य का इतिहास(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-C	MAHN – 203	आधुनिक गद्य–साहित्य (पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-D	MAHN – 204	आधुनिक हिन्दी काव्य (पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-E	MAHN – 205	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-F	MAHN – 206	जयशकंर प्रसाद(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-G	MAHN – 207	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-H	MAHN – 208	प्रेमचंद(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-I	MAHN – 209	पत्रकारिता–प्रशिक्षण(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-J	MAHN – 210	अनुवाद–विज्ञान(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-K	MAHN – 211	हरियाणवी भाषा और साहित्य (पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs

Scanned with CamScanner

3RD SEMESTER

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	External Marks	Internal Marks	Total Marks	Time
Paper-A	MAHN – 301	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-B	MAHN – 302	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-C	MAHN – 303	प्रयोजनमूलक हिन्दी(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-D	MAHN – 304	भारतीय साहित्य (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-E	MAHN – 305	कबीरदास(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-F	MAHN – 306	तुलसीदास(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-G	MAHN – 307	सूरदास(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-H	MAHN – 308	रीतिकाल(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-I	MAHN – 309	राजभाषा–प्रशिक्षण(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-J	MAHN – 310	कोश–विज्ञान(पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs
Paper-K	MAHN – 311	हरियाणा का हिन्दी साहित्य (पार्ट–I)	80	20	100	3 Hrs

4TH SEMESTER

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	External Marks	Internal Marks	Total Marks	Time
Paper-A	MAHN – 401	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-B	MAHN – 402	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-C	MAHN – 403	प्रयोजनमूलक हिन्दी(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-D	MAHN – 404	भारतीय साहित्य (पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-E	MAHN – 405	कबीरदास(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-F	MAHN – 406	तुलसीदास(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-G	MAHN – 407	सूरदास(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-H	MAHN – 408	रीतिकाल(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-I	MAHN – 409	राजभाषा–प्रशिक्षण(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-J	MAHN – 410	कोश –विज्ञान(पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs
Paper-K	MAHN – 411	हरियाणा का हिन्दी साहित्य (पार्ट–II)	80	20	100	3 Hrs

Scanned with CamScanner

6. कार्यक्रम की संरचना :

- किसी भी कार्यक्रम की संरचना छात्रों को विषयों के विभिन्न संयोजनों का अध्ययन करने का सुअवसर प्रदान करता है।
- अनिवार्य प्रश्नपत्र – इस स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम में दो सालों के अंतर्गत प्रथम वर्ष के दो सेमेस्टर में, एवं द्वितीय वर्ष के दो सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र अनिवार्य है।
- वैकल्पिक प्रश्नपत्र – इस स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम में दो सालों के अंतर्गत प्रथम वर्ष के दो सेमेस्टर में, द्वितीय वर्ष के दो सेमेस्टर में एक–एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र है।
- विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार किसी भी वैकल्पिक विषय का चुनाव कर सकता है।

Guru Jambheshwar University of Science & Technology,Hisar
Scheme for Theory Based Subjects
Guidelines for Scheme of Examination of PG Course
M.A. Hindi (Previous and Final)
(under semester system)
(w.e.f. the academic session 2020-21)

The Scheme of Examination of posygraduate (PG) Courses under Faculty of Humanities & Social Sciences run by affiliated degree colleges will be under 80: 20 (external: internal) for theory based courses. Pass percentage will be .....

For the PG courses under Faculty of Humanities & Social Sciences, the guidelines regarding scheme and paper setting will be followed as:

For the end semester examinations, five questions are to be set by the examiner. The candidates shall attempt all five questions. First question will be compulsory of 20 marks based on the entire syllabus. It will comprise of ten short answer type questions of two marks each. Students are required to attempt rest four questions in which internal choice will be available. All remaining four questions shall carry equal marks i.e. 15 each.

Scheme: 80:20 (external: internal)
1"question 20 marks (10 short answer type questions of two marks each)
Rest four questions: 15 marks each i.e. 4 x 15-60
Total (20+60) +20=100marks

Components of Internal Assessment (Breakdown of 20 marks)
(a) Class Test: 5 marks
(b) Assignment: 5 marks
(c) Participation in Class Discussions: 3 marks
(d) Term Paper/written test/2 assignment: 5 marks
(e) Attendance: 2 marks

*Weightage of 2 marks for **Attendance** component out of 20 marks for Internal Assessment

shall be available only to those students who attend **75% and more** of classroom lectures. The break-up of marks for **attendance component** for theory papers shall be as under:
(a) 75% and above up to 85%: 1 mark
(b) Above 85%: 2 marks

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – ए

MAHN 101 - भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा**(पार्ट–I)**

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

प्रश्न–पत्र–1 भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4x12) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके लिए 12 (1x12) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठ्य विषय :

खण्ड (क) भाषा और भाषा विज्ञान

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा–संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान, स्वरूप एवं व्याप्ति, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक, साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

खण्ड (ख) स्वन विज्ञान

स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, वाग्यन्त्र और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण : स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

खण्ड (ग) रूप विज्ञान

रूप–प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त, आवद्ध, अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी, 2सम्बन्धदर्शी रुपिम के भेद और प्रकार्य।

खण्ड (घ) वाक्य विज्ञान एवं अर्थ–विज्ञान

वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण : निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और वाह्य संरचना, अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ–परिवर्तन : कारण एवं दिशाए।

Scanned with CamScanner

संदर्भ सामग्री :

1. भाषा और भाषिकी, देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1993
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण, 1989
3. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 1997
4. मानक हिन्दी का संरचनात्मक भाषा विज्ञान, ओमप्रकाश भारद्वाज, आर्यबुक डिपो, दिल्ली
5. भाषाविज्ञान और मानक हिन्दी, नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली, 1993
6. आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1997
7. आधुनिक भाषाविज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1996
8. भाषाविज्ञान, भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1997
9. हिन्दी भाषा : उद्‌गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1961
10. हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली, 1991
11. हिन्दी : उद्‌भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965
12. हिन्दी भाषा का विकास, देवेन्द्रनाथ शर्मा एवं रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1971
13. हिन्दी भाषा : रूप विचार, सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण', चिन्मय प्रकाशन, जयपुर, 1962
14. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1990
15. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1976
16. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन : दिल्ली, 1976
17. भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली, 1981
18. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
19. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
20. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
21. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
22. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – बी

MAHN 102 - हिन्दी साहित्य का इतिहास(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4x12) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके लिए 12 (1x12) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठ्य विषय

खण्ड (क)

हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन,
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा,
हिन्दी साहित्येतिहास की आधारभूत सामग्री और उसके पुनर्लेखन की समस्याएं,
हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण्ज्ञं

खण्ड (ख)

आदिकाल की परिस्थितियाँ,
रासो काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
पृथ्वीराज रासो : प्रामाणिकता का प्रश्न और काव्य सौन्दर्य,
सिद्ध साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
नाथ साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
जैन साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
अमीर खुसरो की हिन्दी कविता,
विद्यापति और उनकी पदावली,
आदिकालीन गद्य–साहित्य।

खण्ड (ग)

भक्ति आंदोलन : उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण,
आलवार सन्त और उनका काव्य,
हिन्दी संतकाव्य का वैचारिक आधार,
सन्तकाव्य
: परम्परा और प्रवृत्तियाँ (कबीर, नानक, दादू, रैदास), हिन्दी सूफ़ीकाव्य का वैचारिक आधार,
सूफीकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ (मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, जायसी), सूफीकाव्य में भारतीय संस्कृति और लोक जीवन।

Scanned with CamScanner

खण्ड (घ)

रामकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,

तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ : काव्य–रूप और महत्त्व,

कृष्णकाव्य : विविध सम्प्रदाय,

कृष्णकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ (अष्टछाप),

रामकृष्ण काव्येतर काव्य,

भक्तिकालीन भक्तीतर काव्य,

भक्तिकाल : स्वर्णयुग,

भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

संदर्भ सामग्री :

1. साहित्येहास : संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम कानपुर, 1975
2. हिन्दी साहित्येतिहास : पाश्चात्य स्रोतों का अध्ययन, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, प्रतिभा प्रकाशन, होशियारपुर, 1985
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1961
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, 1963
5. शृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन, रमेशकुमार शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978
6. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–2), विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1960
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेनी माधव, इलाहाबाद, 1971
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (सम्पादक) नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड) गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989 एवं 1990
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, 1982
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास, विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
14. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्णन मिश्र, दिल्ली, 1996
15. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दो खण्ड), रामप्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1998
16. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लालचन्द गुप्त 'मंगल', यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र 1999
17. हिन्दी साहित्य का इतिहास (काल विभाजन एवं नामकरण), रमेशचन्द्र गुप्त, निर्मल बुक एजेन्स, कुरुक्षेत्र, 2002

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – सी

MAHN 103 - आधुनिक गद्य–साहित्य (पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक	: 100
लिखित परीक्षा	: 80
आन्तरिक मूल्यांकन	: 20
समय : 3 घण्टे	

निर्देश :

समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न। खण्ड (क) संदर्भ साहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (कथाभूमि) में से छः अवतरण पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
2. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिये निर्धारित पुस्तकों (गोदान, मैला आँचल) और उनके रचनाकारों पर तीन–तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक पुस्तक से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा।
   यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहाँ पांच उपन्यासकारों (जैनेन्द्र कुमार, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर, वालशौरिरैड्डी, मन्नू भंडारी), पाँच कहानीकारों – (यंग महिला, अज्ञेय, यशपाल, बेचन शर्मा उग्र, अमरकांत) तथा उनकी कृतियों का द्रुत पाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
4. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित तीनों पुस्तकों (कथाभूमि, गोदान, मैला आँचल) और उनके रचनाकारों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा। व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ : कथाभूमि, डॉ. चितरंजन मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली। निर्धारित

आलोचनात्मक प्रश्न

1. गोदान : प्रेमचंद समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द, प्रेमचन्द की भाषा–शैली, प्रेमचंद की नारी–भावना, प्रेमचंद की दलितचेतना, प्रेमचंद का जीवन–दर्शन, महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना और गोदान, गोदान में गांव और शहर, गोदान और भारतीय किसान, गोदान में यथार्थ और आदर्श, गोदान के मुख्य चरित्र।
2. मैला आँचल–फणीश्वरनाथ रेणु आँचलिक उपन्यास परम्परा और रेणु, आँचलिकता और मैला आँचल, मैला आँचल का वस्तु–विन्यास, नायकत्व, लोक–संस्कृति और भाषा, ग्राम्य जीवन में होने वाले राजनीतिक–आर्थिक परिवर्तनों का चित्रण, ग्राम्य जीवन के सामाजिक सम्बन्धो का चित्रण।

Scanned with CamScanner

संदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1986
2. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास (भाग–1), यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1989
3. उपन्यास का आँचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली, 1985
4. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल, गोपाल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992
5. 'मैला आँचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकान्त पं. वांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ 1993
7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी, 1960
8. निबन्ध : साहित्य और प्रयोग, हरिनाथ द्विवेदी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1971
9. हिन्दी निबन्ध के आलोक शिखर, जयनाथ 'नलिन' मनीषा प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
11. बच्चन, निकष पर, रमेश गुप्ता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1979
12. महादेवी वर्मा, कवि और गद्यकार, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचन्द गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1988
14. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – डी

MAHN 104 - आधुनिक हिन्दी काव्य (पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश : समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है–

(क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वरतुनिष्ठ प्रश्न।

1. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित दो कवियों (जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला') की निर्धारित कविताओं में से तीन–तीन अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक कवि की एक व्याख्या करनी अनिवार्य होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
2. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिये निर्धारित कवि (सुमित्रानन्दन पंत और उनकी कृतियों) पर छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहाँ पांच कवियों (अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', महादेवी वर्मा, हरिवंशराय बच्चन, केदारनाथ अग्रवाल और गिरिजाकुमार माथुर) तथा उनकी कृतियों का द्रुत पाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में प्रत्येक कवि से सम्बन्धित दो–दो प्रश्न (कुल दस) प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
4. खण्ड (घ) वरतुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां उपर्युक्त तीनों कवियों और उनकी कृतियों पर आधारित आठ वरतुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ

1. कामायनी, जयशंकर प्रसाद ('चिन्ता', 'श्रद्धा' और 'लज्जा') = कुल तीन सर्ग।
2. राग–विराग, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ('राम की शक्ति–पूजा', सरोज–स्मृति' एवं 'कुकुरमुत्ता कुल तीन कविताएँ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :

पंत–काव्य यात्रा के विभिन्न सोपान, जीवन–दर्शन, प्रकृति–चित्रण, कल्पनाशीलता, सौन्दर्य–चेतना, काव्य–भाषा।

Scanned with CamScanner

संदर्भ–सामग्री :

1. छायावाद युगी काव्य : अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
2. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1990
3. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1978
4. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली,1968 निराला, पदमसिंह शर्मा 'कमलेश', राधाकृष्ण, दिल्ली, 1969
5. काव्यपुरुष निराला, जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1970
6. निराला की काव्य चेतना, हुकुमचन्द राजपाल, सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1993
7. सुमित्रानंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्ट, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1951
8. पंत का काव्य : शिवपाल सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1987
9. 'अज्ञेय' कवि, ओमप्रकाश अवस्थी, ग्रन्थम, कारपुर, 1977
10. काव्य भाषा : रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2001
11. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल, 2000
12. साठोत्तरी हिन्दी कविता में क्रान्ति और सृजन, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1996
13. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लनराय, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982
14. नयी कविता की नाट्यमुखी भूमिका, हुकुमचन्द राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1975
15. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 1977?
16. कविता और संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – ई

MAHN 105 - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश : समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है–
(क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

1. खण्ड (क) संदर्भ साहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (भारत दुर्दशा) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
2. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिये निर्धारित पुस्तकों (प्रेमतरंग, हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान) पर तीन–तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन के तीन उत्तर देने होंगे। प्रत्येक पुस्तक से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त तीन कृतियों का द्रुत–पाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं
4. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। उपर्युक्त तीनों पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :
भारत–दुर्दशा, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु समग्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिये निर्धारित रचनाएं एवं विषय
1. हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

पाठ्य विषय
भारतेन्दुयुगीन परिवेश, भारतेन्दु का जीवन–चरित्र, भारतेन्दु की साहित्यिक यात्रा, भारतेन्दु की जीवन–दृष्टि, भारतेन्दु : राजभक्त या राष्ट्रभक्त, स्वदेशी आन्दोलन के प्रेरणास्रोत भारतेन्दु, भारतेन्दु का हिन्दी भाषा के प्रति दृष्टिकोण, भारतेन्दु का अन्य भाषाओं के प्रति दृष्टिकोण, स्वच्छन्दतामूलक प्रेम और भारतेन्दु, 'प्रेमतरंग' का कथ्य।

संदर्भ–सामग्री :

1. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य, डॉ. विरेन्द्र कुमार
2. भारतेन्दु का गद्य साहित्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कपिलदेव दुबे
3. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोपीनाथ तिवारी
4. भारतेन्दु के निबन्ध, डॉ. केसरी नारायण शुक्ल
5. भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य और रंगमंच, डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसार।
6. भारतेन्दु युग की शब्द सम्पदा, डॉ. जसपाली चौहान
7. भारतेन्दु साहित्य, डॉ. रामगोपाल चौहान
8. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बाबू ब्रजरत्न दास
9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, साहित्य और जीवन–दर्शन, डॉ. रमेश गुप्त

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – एफ

MAHN 106 - जयशंकर प्रसाद(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ साहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (लहर) में से छ : अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिये निर्धारित पुस्तकों (लहर, कामायनी, चन्द्रगुप्त) पर दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त तीन कृतियों पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां उपर्युक्त तीनों पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. लहर–(कविता–संग्रह)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व; प्रसाद का जीवन–दर्शन; वर्तमान संदर्भ में प्रसाद साहित्य की प्रासंगिकता; कामायनी एवं छायावादी रचना; दार्शनिक पृष्ठभूमि; शैवदर्शन; समरसता और आनंदवाद; मनोवैज्ञानिक पक्ष; रूपक तत्त्व, महाकाव्यत्व; सौन्दर्यदृष्टि; मिथक और फैंटेसी; 'आशा' 'इड़ा' और 'आनन्द' सर्गो पर समीक्षात्मक प्रश्न; लहर : भावात्मक और वैयक्तिक चेतना; नामकरण और काव्यरूप; काव्य–सौन्दर्य; नाटककार प्रसाद : एक सिंहावलोकन; स्कन्दगुप्त की ऐतिहासिकता; राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि; पात्र परिकल्पना; स्कन्दगुप्त और रंगमंच; गीतितत्व; पाश्चात्य और भारतीय नाट्य लक्षणों का समन्वय।

सदर्भ सामग्री :

1. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर; भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1961
2. कामायनी : एक सह–चिन्तन, वचनदेव कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली, 1983
3. कामायनी–अनुशीलन; रामलाल सिंह; इण्डियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, 1975
4. प्रसाद का साहित्य; प्रभाकर श्रोत्रिय; आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1975
5. जयशंकर प्रसाद; रमेशचन्द्र शाह; साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1977
6. प्रसाद का नाट्य साहित्य; परम्परा और प्रयोग; हरिश्चन्द्र प्रकाशन प्रतिष्ठान, मेरठ : प्रथम संस्करण
7. लहर–सौन्दर्य; सत्यवीर सिंह; सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1977
8. प्रसाद का गद्य–साहित्य; राजमणि शर्मा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

– पेपर – जी

MAHN 107 . सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ साहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (राग विराग) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्यन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिये निर्धारित पुस्तकों (तुलसीदास, अलका) पर तीन–तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। लघूत्तरी प्रश्नों की निर्धरित पुस्तकों (राग–विराग, तुलसीदास और अलका) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां उपर्युक्त तीनों पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. राग–विराग (कविता–संग्रह)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय
निराला और छायावाद;
निराला और रहस्यवाद;
निराला और प्रगतिवाद;
'तुलसीदास' की वस्तु–योजना;
'तुलसीदास' में चिन्तन और दर्शन;
'तुलसीदास' में संस्कृति का स्वरूप;
'तुलसीदास' में बिम्ब और प्रतीक;
'तुलसीदास' में रस–योजना;
निराला की उपन्यास–कला;
निराला के उपन्यास साहित्य में यथार्थ;
'अल्का' के उपन्यास की प्रमुख समस्या;
'अल्का' उपन्यास के नारी पात्र;
'अल्का' उपन्यास की आंचलिकता;
'अल्का' उपन्यास की भाषा–शैली;
'राम की शक्ति पूजा' : कथ्य एवं शिल्प;
'सरोज–स्मृति' : कथ्य अएवं शिल्प;
'कुकुरु मुत्ता' : कथ्य एवं शिल्प।

Scanned with CamScanner

सदर्भ सामग्री :

1. निराला का गद्य; सूर्यप्रसाद दीक्षित; राधाकृष्ण प्रकाशन; दिल्ली
2. निराला का गद्य साहित्य; प्रोमिला बिल्ला; चैतन्य-प्रकाशन; कानपुर
3. निराला का साहित्य और साध्ना; विश्वम्भरनाथ उपाध्या; विनोद पुस्तक मन्दिर; आगरा
4. निराला की साहित्य साध्ना; डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन; दिल्ली
5. महाकवि निराला : काव्यकला; डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय; सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
6. महाप्राण निराला; गंगाप्रसाद पाण्डेय; साहित्यकार परिषद्; प्रयाग
7. क्रांतिकारी कवि निराला; वच्चनसिह; विश्वविद्यालय प्रकाशन; वाराणसी
8. कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी; मेकमिलन; दिल्ली
9. निराला का अलक्षित अर्थ—गौरव; शशिभूषण शीतांशु; सरस्वती प्रैस, इलाहाबाद
10. निराला का कथा साहित्य; कुसुम वार्ष्णेय; साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
11. निराला के काव्य में बिम्ब और प्रतीक; वेदव्रत शर्मा; आर्य बुक डिपो; दिल्ली
12. निराला और उनका तुलसीदास; रामकुमार शर्मा; पद्म बुक कम्पनी, जयपुर

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – एच

MAHN 108 - प्रेमचंद(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ साहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (गबन) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिये निर्धारित पुस्तकों (सेवासदन, कर्बला) पर तीन–तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त तीन कृतियों का द्रुत–पाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां उपर्युक्त तीनों पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. गबन, प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन इलाहाबाद।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित रचनाए ं एवं विषय

1. सेवासदन; प्रेमचन्द; हंस प्रकाशन; इलाहाबाद।
2. कर्बला; प्रेमचंद।

पाठय् विषय

प्रेमचंदयुगीन परिवेश;
प्रेमचंद का जीवन–दर्शन;
आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद और प्रेमचन्द;
प्रेमचंद की नारी भावना;
प्रेमचंद की सम्पादन–कला;
हिन्दी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचंद का योगदान;
'सेवासदन'; नामकरण;
'सेवासदन' में चित्रित समस्याएँ और समाधान;
'सेवासदन' : प्रासंगिकता;
'कर्बला' नाटक का उद्देश्य;
'कर्बला' नाटक की रंगमंचीयता;
'कर्बला' नाटक की प्रासंगिकता;

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सदंर्भ– सामग्री :

1. प्रेमचंद : विन्तन और कला; इन्द्रनाथ मदान; सरस्वती प्रैस; बनारस, 1961
2. प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व; हंसराज रहबर; आत्माराम एण्ड सन्स; दिल्ली; 1962
3. उपन्यासकार प्रेमचंद; सुरेशचन्द गुप्त एवं रमेशचंद गुप्त; अशोक प्रकाशन; दिल्ली, 1966
4. प्रेमचंदयुगीन भारतीय समाज; इन्द्रमोहन कुमार सिन्हा; विहारी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी; पटना, 1974
5. प्रेमचंद; सत्येन्द्र; राधाकृष्ण प्रकाशन; दिल्ली, 1976
6. प्रेमचंद और उनका युग; रामविलास शर्मा; राजपाल प्रकाशन; दिल्ली, 1981
7. समकालीन जीवन सन्दर्भ और प्रेमचंद; धर्मेन्द्र गुप्त; पीयूष प्रकाशन; दिल्ली, 1988
8. कहानीकार प्रेमचंद; नूरजहां; हिन्दी साहित्य भण्डार; लखनऊ, 1975
9. प्रेमचंद और भारतीय किसान; रामबक्ष; वाणी प्रकाशन; दिल्ली, 1983
10. प्रेमचंद और उनका साहित्य; शीला गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड; इलाहाबाद, 1979

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – आई

MAHN 109 - पत्रकारिता प्रशिक्षण(पार्ट–1)
(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) आलोचनात्मक प्रश्न (ख) लघूत्तरी प्रश्न (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (घ) प्रायोगिक प्रश्न।
2. खण्ड (क) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 42 (3x14) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठय् विषयों में से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
4. खण्ड (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। समूचे पाठय् क्रम पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।
5. खण्ड–घ प्रायोगिक कार्य से सम्बन्धित है। इस खण्ड में दो प्रैस–विज्ञप्तियां दी जाएंगी, जिनमें से किसी एक को आधार बनाकर परीक्षार्थी समाचार तैयार करोगे। यह खण्ड 10 अंकों का होगा।

आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

1. पत्रकारिता : स्वरूप और प्रकार; विश्व पत्रकारिता का उदय; भारत में पत्रकारिता का आरम्भ; हिन्दी पत्रकारिता : उद्भव और विकास; समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व; समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम; समाचार के विभिन्न स्रोत।
2. संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त, (शीर्षक, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया), समाचार पत्रो के विभिन्न स्तरों की योजना; दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता; संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य–पद्धति।

सदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी पत्रकारिता; कृष्णबिहारी मिश्र; भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1969
2. विकास पत्रकारिता; राधेश्याम शर्मा; हरियाणा साहित्य अकादमी; चण्डीगढ़, 1990
3. हिन्दी पत्रकारिता : प्रेमचंद और हंस; रत्नाकर पाण्डेय; प्रवीण प्रकाशन; दिल्ली, 1988
4. विधि पत्रकारिता : चिन्ता और चुनौती; पवन चौधरी; विधि सेवा; दिल्ली, 1993
5. समाचार पत्र : मुद्रण और साज–सज्जा; श्यामसुन्दर शर्मा; मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी; भोपाल, 1978
6. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन; सविता चड्डा; तक्षशिला प्रकाशन; दिल्ली, 1992
7. समाचार फीचर–लेखन एवं सम्पादन कला; हरिमोहन; तक्षशिला प्रकाशन; दिल्ली, 1992
8. हिन्दी पत्रकारिता इतिहास एवं स्वरूप, शिवकुमार दुबे; परिमल प्रकाशन; इलाहाबाद, 1993
9. आधुनिक पत्रकारिता; अर्जुन तिवारी; विश्वविद्यालय प्रकाशन; वाराणसी, 1988
10. सम्पादन के सिद्धान्त; रामचन्द्र तिवारी; आलेख प्रकाशन; दिल्ली, 1987

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – जे

MAHN 110 - अनुवाद–विज्ञान(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। इनके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिये 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठय् क्रम पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनके लिए 8 (1x8) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।
4. प्रश्न–पत्र में अंग्रेजी का एक पाठांश दिया जाएगा, जिसका हिन्दी में अनुवाद करना होगा। यह खण्ड 10 अंकों का होगा।

पाठय् विषय :

खण्ड (क)

अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र एवं सीमाएं;
अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प;
अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।

खण्ड (ख)

अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार–माध्यम, विज्ञापन आदि; अनुवाद की समस्याएं: सृजनात्मक/साहित्यिक; कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं; वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं; विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएं।

खण्ड (ग)

पाठ की अवधारणा और प्रकृति
पाठ : शब्द, प्रति शब्द; शाब्दिक अनुवाद; भावानुवाद।

सदर्भ सामग्री :

1. राजमल बोरा; अनुवाद क्या है; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
2. मुध्धवन; भाषान्तरण कला; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
3. कैलाशचन्द्र भाटिया; भारतीय भाषाएं और हिन्दी अनुवाद : समस्या समाधान; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
4. आरसु; साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
5. सुरेश कुमार; अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष प्रथम समेस्टर

पेपर – एच

MAHN 111 - हरियाणवी भाषा और साहित्य **(पार्ट–I)**

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (हरियाणा के लोकगीत खण्ड–1 तथा खण्ड–2) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां निर्धारित प्रश्नावली में से दस प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित विशिष्ट रचनाकारों और विशिष्ट रचनाओं पर आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. हरियाणा के लोकगीत : खण्ड–1 तथा खण्ड–2; साधुराम शारदा; भाषा–विभाग; हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकुला), 1970

आलोचनात्मक, लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

खण्ड (क) हरियाणा : भाषा, संस्कृति और साहित्य :
- जनपदीय बोली : अवधारणा और स्वरूप;
- जनपदीय साहित्य और शिष्ट साहित्य;
- हरियाणा : भाषायी और सांस्कृतिक इकाई;
- हरियाणवी : महत्त्व और क्षेत्र–विस्तार।

खण्ड (ख) हरियाणवी लोक संस्कृति :
- लोकनृत्य;
- लोकवाद्य एवं संगीत;
- लोककलाएं;
- दिनचर्या और खानपान;
- वेशभूषा;

खण्ड (ग) हरियाणवी लोक–साहित्य ;
- लोकगीत ;
- लोकनाट्य ;
- लोककथा।

Scanned with CamScanner

विशिष्ट रचनाकार

1. अहमदबख्श थानेसरी ;
2. पंडित नंतराम ;
3. दीपचन्द्र ;
4. हरदेवा स्वामी ;
5. बाजे नाई (भगत)।

विशिष्ट रचनाएं

1. गूगापीर (लोकगाथा) ;
2. निहालदे (लोकगाथा) ;
3. किस्सा रावकिशन गोपाल (लोकगाथा) ;
4. सत्यवान–सावित्री (पंडित लखमीचन्द कृत लोकनाट्य) ;
5. कृष्ण–सुदामा (पंडित मांगेराम कृत लोकनाट्य)।

सदर्भ सामग्री :

1. मानक हिन्दी और बांगरू का व्यतिरेकी विश्लेषण ; सोमदत्त वंसल ; हरियाणा साहित्य अकादमी; चण्डीगढ़, 1983
2. 'संभावना' (लोक साहित्य विशेषांक) ; हिन्दी विभाग; कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय, करु क्षेत्र, 1993
3. संत शिरोमणि ब्रह्मानन्द सरस्वती ; बाबूराम ; साहित्य संस्थान ; गाजियाबाद, 2002
4. सांग सम्राट पंडित लख्मीचन्द, राजेन्द स्वरूप वत्स; हरियाणा साहित्य अकादमी; चण्डीगढ़, 1991
5. हरियाणा भाषा का उद्‌गम तथा विकास; नानकचंद शर्मा ; विश्लेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान; होशियारपुर, 1968
6. हरियाणा (सांस्कृतिक दिग्दर्शन); संकलनकर्त्ता ; पुष्पा जैन एवं सत्य पालगुप्त ; हरियाणा लोक–सम्पर्क प्रकाशन ; चण्डीगढ़, 1978
7. हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन ; (सम्पादक) साधूराम शारदा ; हरियाणा भाषा विभाग; हरियाणा, 1978
8. हरियाणा का लोक साहित्य ; राजाराम शास्त्री ; लोक सम्पर्क विभाग ; हरियाणा; चण्डीगढ़,1984
9. हरियाणा लोक साहित्य : सांस्कृतिक संदर्भ ; सांस्कृतिक संदर्भ ; भीमसिंह मलिक ; हरियाणा साहित्य अकादमी ; चण्डीगढ़, 1990
10. हरियाणा का लोक साहित्य; लालचंद गुप्त 'मंगल' सूर्यभारती प्रकाशन; दिल्ली, 1998
11. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य ; शंकरलाल यादव ; हिन्दुस्तानी एकेडमी ; इलाहाबाद, 1960
12. हरियाणा की लोकधर्मी नाट्य परम्परा ; पूर्णचन्द शर्मा ; हरियाणा साहित्य अकादमी; चण्डीगढ़, 1983
13. हरियाणा लोकनाट्य परम्परा एवं कवि शिरोमणि पंडित मांगेराम ; रघुवीर सिंह मथाना; लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन ; रोहतक, 1993
14. हरियाणा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन ; गुणपाल सांगवान ; हरियाणा साहित्य अकादमी ; चण्डीगढ़, 1989
15. हरियाणवी साहित्य का इतिहास; रघुवीर सिंह 'मथाना' एवं डॉ. बाबूराम ; लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन ; रोहतक, 2005

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – ए

MAHN 201 - भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा**(पार्ट–II)**

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4x12) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठय् क्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनके लिए 12 (1x12) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठय् विषय :

खण्ड (क)

प्राचीन भारतीय आर्यभापाएं–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं ; मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं–पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी ; अपभ्रंश और उसकी विशेषताएं; आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।

खण्ड (ख)

हिन्दी की उपभाषाएं–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और उनकी बोलियां; खड़ी बोली ; व्रज और अवधी की विशेषताएं।

खण्ड (ग)

हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य एवं खण्ड्येतर ; हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग ; प्रत्यय; समास ; रूप रचना–लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप, हिन्दी वाक्य–रचना : पदक्रम और अन्विति देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

खण्ड (घ)

हिन्दी के विविध रूप : सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार–भाषा; हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएं : आंकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाधन; वर्तनी शोधन; मशीनी अनुवाद; हिन्दी भाषा–शिक्षण : स्वरूप एवं उद्देश्य; हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण।

Scanned with CamScanner

सदर्भ सामग्री :

1. भाषा और भाषिकी, देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1993
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण, 1989
3. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 1997
4. मानक हिन्दी का संरचनात्मक भाषा विज्ञान, ओमप्रकाश भारद्वाज, आर्यबुक डिपो, दिल्ली।
5. भाषाविज्ञान और मानक हिन्दी, नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली, 1993
6. आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग, हाऊस, दिली, 1997
7. आधुनिक भाषाविज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1996
8. भाषाविज्ञान, भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1997
9. हिन्दी भाषा : उद्‌गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1997
10. हिन्दी भाषा, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली, 1991
11. हिन्दी : उद्‌भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965
12. हिन्दी भाषा का विकास, देवेन्द्रनाथ शर्मा एवं रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1971
13. हिन्दी भाषा : रूप विचार, सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण', चिन्मय प्रकाशन, जयपुर, 1962
14. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1990
15. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1976
16. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन : दिल्ली, 1972
17. भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली, 1981
18. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
19. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
20. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
21. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
22. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – बी

MAHN 202 - हिन्दी साहित्य का इतिहास(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4x12) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठय् क्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनके लिए 12 (1x12) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठय् विषय :

खण्ड (क)

रीतिकाल : सामाजिक–सांस्कृति परिप्रेक्ष्य,
रीतिकाल का नामकरण,
रीतिकाल के मूल स्रोत,
दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थ परम्परा,
रीति कवियों का आचार्यत्व,
रीतिकाल के प्रमुख कवि (केशव, मतिराम, भूषण, देव, पद्माकर, बिहारी, घनानन्द)।

खण्ड (ख)

रीतिकाव्य में लोक जीवन,
रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिमुक्त काव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिकालीन वीरकाव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिकालीन नीतिकाव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिकालीन गद्य–साहित्य।

खण्ड (ग)

आधुनिककाल और भारतीय नवजागरण,
भारतेन्दु और उनका काव्य,
भारतेन्दु और उनका मण्डल,
द्विवेदीयुगीन काव्य और उसकी सामान्य प्रवृत्तियां,
राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और काव्य,
स्वच्छन्दतावाद : प्रमुख कवि और काव्य,
छायावादी काव्य (प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी) : सामान्य प्रवृत्तियां,
प्रगतिवादी काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियां,
प्रयोगवाद : कवि और काव्य,
नयी कविता : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियां,
आधुनिकता वनाम समकालीनता,
समकालीन कविता : कवि और काव्य,

Scanned with CamScanner

हिन्दी नवगीत : परम्परा और प्रवृत्तियां,
भारतेन्दु–पूर्व हिन्दी गद्य।

खण्ड (घ)

हिन्दी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी कहानी और उसके आन्दोलन,
हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी निबन्ध : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास
हिन्दी रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्य : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी यात्रासाहित्य : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी डायरी साहित्य : उद्‌भव और विकास,
हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य : उद्‌भव और विकास,
दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय,
उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय,
हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य।

सदर्भ सामग्री :

1. साहित्येहास : संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम कानपुर, 1975
2. हिन्दी साहित्येतिहास : पाश्चात्य स्रोतों का अध्यन, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, प्रतिभा प्रकाशन, होशियारपुर, 1985
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1961
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, 1963
5. शृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन, रमेशकुमार शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978
6. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–2), विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1960
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, रामनारायण वेनी माधव, इलाहाबाद, 1971
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (सम्पादक), नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड) गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989 एवं 1990
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, 1982
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास, विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
14. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण मिश्र, दिल्ली, 1996
15. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दो खण्ड), रामप्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1998
16. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लालचंद गुप्त 'मंगल', यूनिवर्सिटी बुक सैन्टर, कुरुक्षेत्र, 1999
17. हिन्दी साहित्य का इतिहास (काल विभाजन एवं नामकरण), रमेशचन्द्र गुप्त, निर्मल बुक एजेन्सी, कुरुक्षेत्र, 2002

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – सी

MAHN 203 – आधुनिक गद्य–साहित्य (पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तकों (चन्द्रगुप्त, निबन्ध–निलय) में से तीन–तीन अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक से एक अवतरण की व्याख्या करना अनिवार्य होगा। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पुस्तक (पथ के साथी) और उसके रचनाकारों पर छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर दनें होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां पांच नाटककारों (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, उपेन्द्रनाथ अश्क, विष्णु प्रभाकर, लक्ष्मीनारायण लाल, शंकर शेष), पांच स्फुट गद्य कारों–(अमृतराय–कलम का सिपाही, शिवप्रसाद सिंह–उत्तरयोगी, हरिवंशराय वच्चन–क्या भूलूं :क्या याद करुं, राहुल सांकृत्यायन–घुमक्कड़ शास्त्र, माखनलाल चतुर्वेदी–साहित्य देवता) तथा इनकी कृतियों का द्रुत पाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में दस प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठय् क्रम में निर्धारित तीनों पुस्तकों (पथ के साथी, चन्द्रगुप्त, निबन्ध–निलय) और उनके रचनाकारों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु पाठय् ग्रंथ :

1. चन्द्रगुप्त, जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. निबन्ध–निलय, डॉ. सत्येन्द्र (सम्पादक), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. पथ के साथी : महादेवी वर्मा

   'पथ के साथी' का साहित्य रूप, 'पथ के साथी' में संकलित प्रत्येक साहित्यकार के व्यक्तित्व का विवेचन–विश्लेषण, 'पथ के साथी' की गद्य–शैली।

Scanned with CamScanner

सदंर्भ सामग्री :

1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियां, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1986
2. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास (भाग–1), यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1989
3. उपन्यास का आंचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली, 1985
4. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल, गोपाल राय, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992
5. 'मैला आंचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकान्त पं. वांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1993
7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1960
8. निबन्ध : साहित्य और प्रयोग, हरिनाथ द्विवेदी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1971
9. हिन्दी निबन्ध के आलोक शिखर, जयनाथ 'नलिन' मनीषा प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
11. बच्चन, निकष पर, रमेश गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1979
12. महादेवी वर्मा, कवि और गद्यकार, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचंद गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरु क्षेत्र, 1988
14. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – डी

MAHN 204 - आधुनिक हिन्दी काव्य (पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ एक कवि (गजानन माधव मुक्तिबोध) की निर्धारित कविता में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित कवियों (रामधारी सिंह दिनकर और सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय') और उनकी कृतियों पर तीन–तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक कवि से संबंधित एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां पांच कवियों (भवानी प्रसाद मिश्र, नरेश मेहता, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय, दुष्यन्त कुमार) तथा उनकी कृतियों का द्रुतपाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में प्रत्येक कवि से सम्बन्धित दो–दो प्रश्न (कुल दस) पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। उपर्युक्त तीनों कवियों और उनकी कृतियों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. अंधेरे में, मुक्तिबोध = कुल एक कविता।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. दिनकर–उर्वशी में कामाध्यात्म, सौन्दर्य–चेतना, संवाद–कौशल, महाकाव्यत्व, तृतीय अंक की विशेषताएं
2. अज्ञेय –प्रयोगधर्मिता, वैयक्तिकता और सामाजिकता, अभिव्यंजना–पक्ष।

Scanned with CamScanner

सदंर्भ सामग्री :

1. छायावाद यगुी काव्य, अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला पक ाशन, दिल्ली, 1984
2. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1990
3. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1978
4. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1968
5. निराला, पदमसिंह शर्मा 'कमलेश' राधाकृष्ण, दिल्ली, 1969
6. काव्यपुरुष निराला, जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1970
7. निराला की काव्य चेतना, हुकुमचंद राजपाल, सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1993
8. सुमित्रानंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्ट, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1951
9. पंत का काव्य : शिवपाल सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1987
10. 'अज्ञेय' कवि, ओमप्रकाश अवस्थी, ग्रन्थम, कानपुर, 1977
11. काव्य भाषा : रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001
12. वीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल, 2000
13. साठोत्तरी हिन्दी कविता में क्रान्ति और सृजन, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1996
14. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लनराय, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982
15. नयी कविता की नाट्यमुखी भूमिका, हुकुमचन्द राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1975
16. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 1977
17. कविता और संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – ई

MAHN 205 - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र(पार्ट–II)
(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तकों (नीलदेवी, प्रेम माधुरी) में से तीन–तीन अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक से एक अवतरण की व्याख्या करनी अनिवार्य होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पुस्तक (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के श्रेष्ठ निबन्ध) एवं पाठय् विषयों से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां उपर्युक्त तीन कृतियों का दूत–पाठ अपेक्षित है। प्रश्न पत्र में दस प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। उपर्युक्त तीन पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. नीलदेवी–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु समग्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
2. प्रेम–माधुरी–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु समग्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित रचनाएं एवं विषय

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के श्रेष्ठ निवन्ध (संपादक), कृष्णदत्त पालीवाल, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।

पाठय् विषय

भारतेन्दु की निवन्ध–कला,
भारतेन्दु के निबन्धों का कथ्य,
भारतेन्दु के निबन्धों की भाषा–शैली,
भारतेन्दु की नाटक सम्बन्धी अवधारणाएं,
भारतेन्दु के अनुसार 'जातीय संगीत' की उपयोगिता,
भारतेन्दु की सामाजिक चेतना,
भारतेन्दु का नारी–स्वातंत्र्य सम्बन्धी दृष्टिकोण,
भारतेन्दु का धर्म राम्बन्धी दर्शन,
भारतेन्दु की नाट्यकला,
हिन्दी रंगमंच के विकास में भारतेन्दु का योगदान,
हिन्दी पत्रकारिता के विकास में भारतेन्दु का योगदान।

Scanned with CamScanner

सदर्भ सामग्री :

1. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य, डॉ. वीरेन्द्र कुमार
2. भारतेन्दु का गद्य साहित्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कपिलदेव दुबे
3. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोपीनाथ तिवारी
4. भारतेन्दु के निवन्ध, डॉ. केसरी नारायण शुक्ल
5. भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य और रगं मंच, डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसार
6. भारतेन्दु युग की शब्द सम्पदा, डॉ. जसपाली चौहान
7. भारतेन्दु साहित्य, डॉ. रामगोपाल चौहान
8. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बाबू ब्रजरत्न दास
9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : साहित्य और जीवन–दर्शन, डॉ. रमेश गुप्त।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – एफ

MAHN 206 - जयशकंर प्रसाद(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित दो पुस्तकों (छाया, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध) में से तीन–तीन अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक से एक अवतरण की व्याख्या करनी अनिवार्य होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पुस्तकों (छाया, कंकाल, काव्य और कला तथा अन्य निवन्ध) एवं पाठ्य विषयों से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां उपर्युक्त तीन कृतियों पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। उपर्युक्त तीन पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. छाया (कहानी–संग्रह)
2. काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध (निबन्ध–संग्रह)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय।

प्रसाद की कहानी कला का विकास, भावभूमि, प्रसाद की उपन्यास कला का विकास, कंकाल : प्रतिपाद्य और उद्देश्य, प्रसाद की निवंध–कला।

सदर्भ सामग्री :

1. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भंडार, इलाहावाद, 1961
2. कामायनी : एक सह–चिन्तन, वचनदेव कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली, 1983
3. कामायनी–अनुशीलन, रामलाल सिंह, इण्डियन प्रैस, लिमिटेड, प्रयाग, 1975
4. प्रसाद का साहित्य, प्रभाकर श्रोत्रिय, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1975
5. जयशंकर प्रसाद, रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1977
6. प्रसाद का नाट्य साहित्य, परम्परा और प्रयोग, हरिश्चन्द्र प्रकाशन प्रतिष्ठान, मेरठ, प्रथम संस्करण।
7. लहर–सौन्दर्य, सत्यवीर सिंह, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1977
8. प्रसाद का गद्य–साहित्य, राजमणि शर्मा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – जी

MAHN 207 - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित दो पुस्तकों (निरुपमा और लिली) में से तीन–तीन अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक से एक अवतरण की व्याख्या करनी अनिवार्य होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पुस्तक (प्रबन्ध प्रतिमा) एवं पाठ्य विषयों से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। लघूत्तरी प्रश्नों के निर्धारित पुस्तकों (निरुपमा, लिली, प्रबन्ध प्रतिमा) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। उपर्युक्त तीन पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. निरुपमा (उपन्यास)
2. लिली (कहानी–संग्रह)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय

निराला की राष्ट्रीय चेतना,

निराला की विद्रोही चेतना,

निबंधकार निराला,

हिन्दी निबंधकारों में निराला का स्थान,

'प्रबन्ध प्रतिमा' में संकलित निबन्धों की समीक्षा,

कथाकार निराला,

कहानीकार निराला,

जीवनीकार निराला,

आलोचक निराला।

Scanned with CamScanner

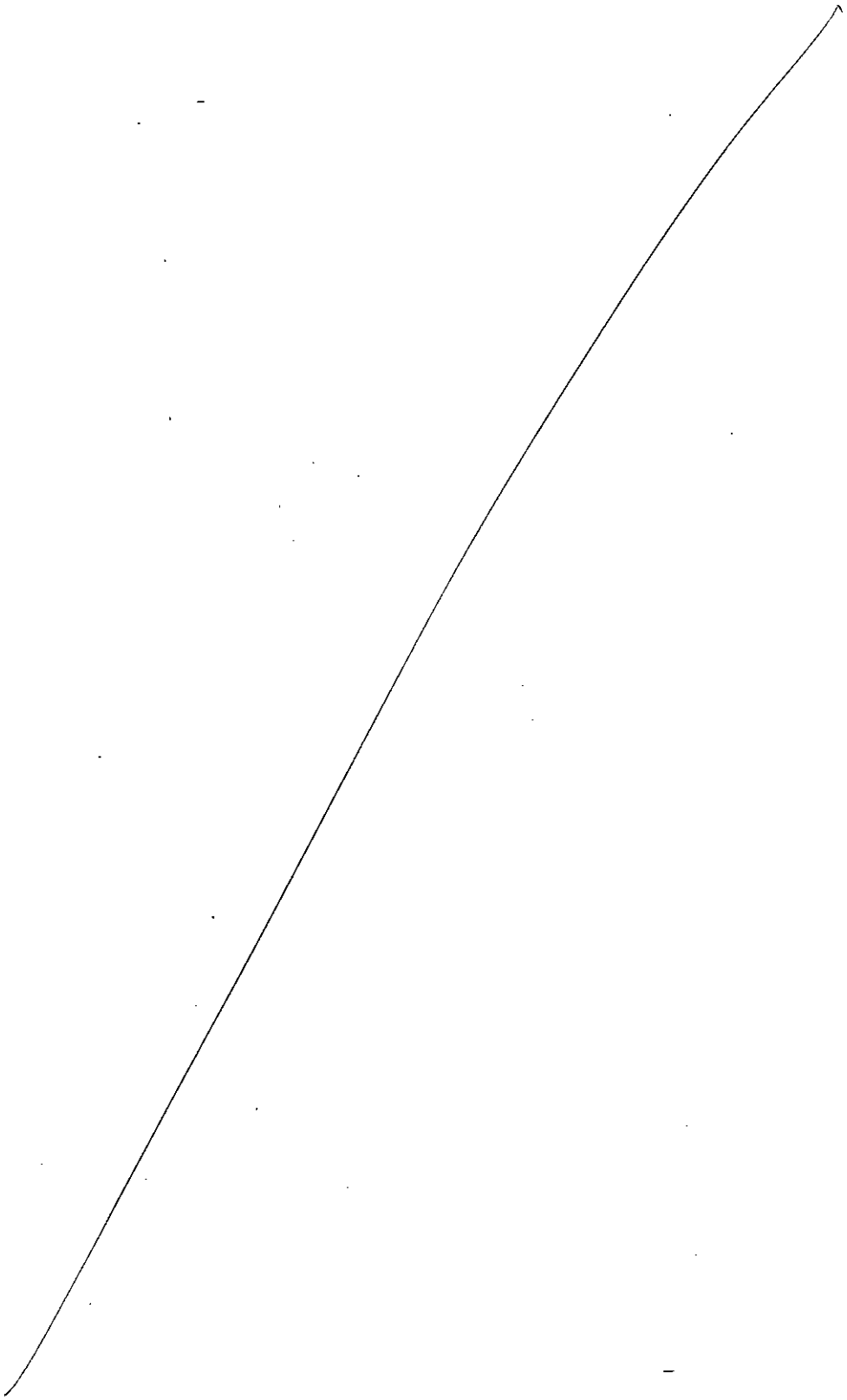

Scanned with CamScanner

सदर्भ सामग्री :

1. निराला का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. निराला का गद्य साहित्य, प्रोमिला बिल्ला, चैतन्य प्रकाशन, कानपुर।
3. निराला का साहित्य और साधना, विश्वम्भनाथ उपाध्याय, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
4. निराला की साहित्य साधना, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. महाकवि निराला : काव्यकला, डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा।
6. महाप्राण निराला, गंगाप्रसाद पाण्डेय, साहित्यकार परिषद्, प्रयाग।
7. क्रांतिकारी कवि निराला, वच्चनसिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी, मेकमिलन, दिल्ली।
9. निराला का अलक्षित अर्थ–गौरव, शशिभूषण शीतांशु, सरस्वती प्रैस, इलाहावाद।
10. निराला का कथा साहित्य, कुसुम वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहावाद।
11. निराला के काव्य में बिम्ब और प्रतीक, वेदव्रत शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
12. निराला और उनका तुलसीदास, रामकुमार शर्मा, पदम बुक कम्पनी, जयपुर।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – जी

MAHN 208 - प्रेमचंद(पार्ट–II)
(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित दो पुस्तकों (प्रतिनिधि कहानियां, प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबन्ध) में से तीन–तीन अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक से एक अवतरण की व्याख्या करनी अनिवार्य होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पुस्तक (कर्मभूमि) एवं पाठ्य विषयों से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंक होंगे।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां उपर्युक्त तीन कृतियों का द्रुत–पाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। उपर्युक्त तीन पुस्तकों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रंथ

1. प्रेमचंद की कहानियां, प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबन्ध, सत्यप्रकाश (सम्पादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिये निर्धारित रचनाएं एवं विषय

1. कर्मभूमि, प्रेमचंद, हंस प्रकाश, इलाहाबाद।

पाठ्य विषय

प्रेमचंद और गांधीवाद,
कर्मभूमि और गांधीवाद,
कर्मभूमि की नायिका और उसका चरित्र–चित्रण,
कर्मभूमि का नायक और उसका चरित्र–चित्रण
हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद का योगदान,
प्रेमचंद की उपन्यास–कला,
प्रेमचंद की कहानियों का कथ्य,
प्रेमचंद की कहानियों का शिल्प,
प्रेमचंद की कहानी–कला,
प्रेमचंद के निबन्धों का कथ्य,
प्रेमचंद के निबन्धों का शिल्प,
प्रेमचंद की निबन्ध–कला,
प्रेमचंद की भाषा–शैली,
वर्तमान संदर्भों में प्रेमचंद साहित्य की प्रासंगिकता।

Scanned with CamScanner

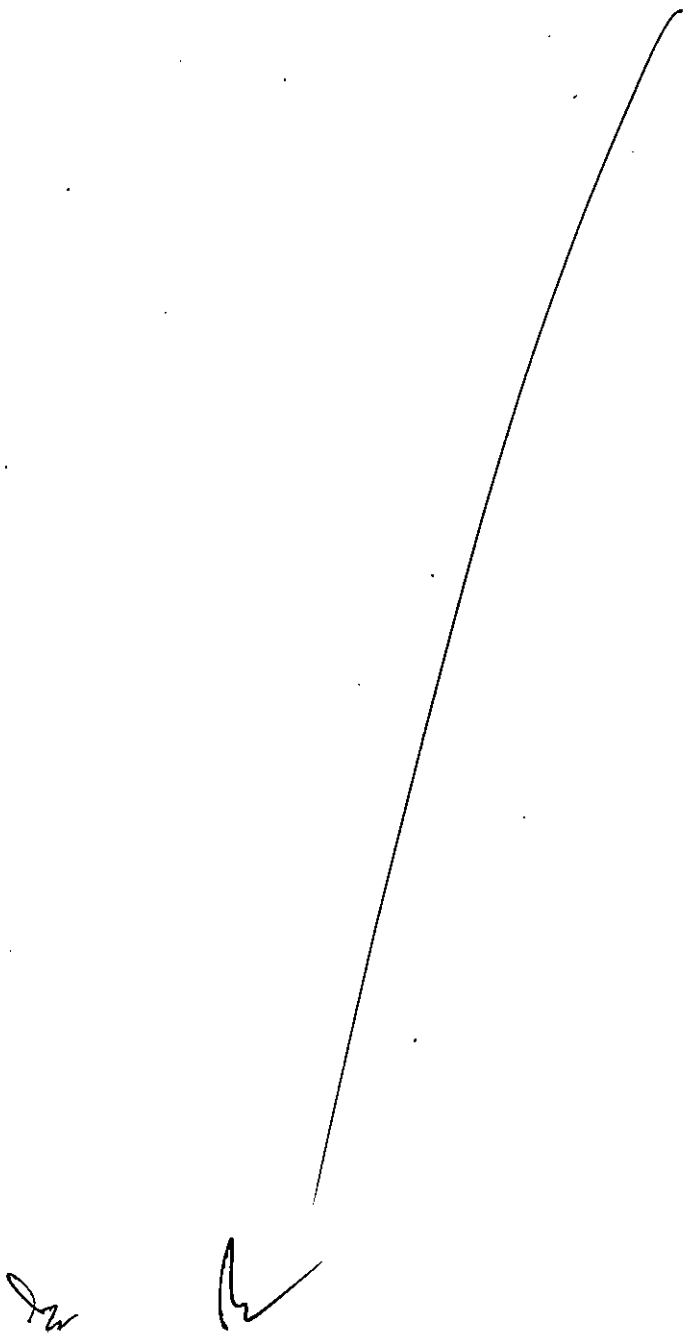

Scanned with CamScanner

सदंर्भ सामग्री :

1. प्रेमचंद : चिन्तन और कला, इन्द्रनाथ मदान, सरस्वती प्रैस, वनारस, 1961
2. प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व, हंसराज रहवर, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1962
3. उपन्यासकार प्रेमचंद, सुरेशचन्द गुप्त एवं रमेशचन्द गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1966
4. प्रेमचंदयुगीन भारतीय समाज, इन्द्रमोहन कुमार सिन्हा, विहारी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1974
5. प्रेमचंद, सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1976
6. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 1981
7. समकालीन लीवन सन्दर्भ और प्रेमचंद, धर्मेन्द्र गुप्त, पीयूष प्रकाशन, दिल्ली, 1988
8. कहानीकार प्रेमचंद, नूरजहां, हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ, 1975
9. प्रेमचंद और भारतीय किसान, रामवक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1983
10. प्रेमचंद और उनका साहित्य, शीला गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड, इलाहाबाद, 1979

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – आई

MAHN 209 - पत्रकारिता–प्रशिक्षण(पार्ट–II)
(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) आलोचनात्मक प्रश्न (ख) लघूत्तरी प्रश्न (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (घ) प्रायोगिक प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 42 (3ग14) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठय् विषयों में से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
4. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। समूचें पाठ्यक्रम पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।
5. खण्ड (घ) प्रायोगिक कार्य से सम्बन्धित है। इस खण्ड में दो प्रैस–विज्ञप्तियां दी जाएंगी, जिनमें से किसी एक को आधार बनाकर परीक्षार्थी समाचार तैंयार करेगा। यह खण्ड 10 अंकों का होगा।

आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

1. पत्रकारिता सम्बन्धी लेखन (सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन–फालोअप आदि की प्रविधि), इलैक्ट्रौनिक मीडिया की पत्रकारिता (रेडियो, टी.वी वीडियो, केबल, मल्टी–मीडिया और इन्टरनेट), प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफशोशन, ले–आउट तथा पृष्ठ सज्जा, पत्रकारिता प्रबंध (प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरणव्यवस्था)।
2. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार, मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रैस सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता, प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

सदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1969
2. विकास पत्रकारिता, राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1990
3. हिन्दी पत्रकारिता : प्रेमचंद और हंस, रत्नाकर पाण्डेय, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1988
4. विधि पत्रकारिता : चिन्ता और चुनौती, पवन चौधरी, विधि सेवा, दिल्ली, 1993
5. समाचार पत्र : मद्रण और साज–सज्जा, श्यामसुन्दर शर्मा, मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1978
6. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन, सविता चड्ढा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
7. समाचार फीचर–लेखन एवं सम्पादन कला, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
8. हिन्दी पत्रकारिता इतिहास एवं स्वरूप, शिवकुमार दुबे, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
9. आधुनिक पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
10. सम्पादन के सिद्धान्त, रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1987

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – जे

MAHN 210 - अनुवाद–विज्ञान(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक	: 100
लिखित परीक्षा	: 80
आन्तरिक मूल्यांकन	: 20
समय : 3 घण्टे	

निर्देश :

1. समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। इनके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठय् क्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा, जिनके लिए 8 (1x8) अंक निर्धारित हैं।
4. प्रश्न–पत्र में अंग्रेजी का एक पाठांश दिया जाएगा, जिसका हिन्दी में अनुवाद करना होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

पाठय् विषय :

खण्ड (क)

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनगर्ठ न, अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न चरण : स्रोतभाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और अर्थ–संप्रेषण की प्रक्रिया, अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति, अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त।

खण्ड (ख)

अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि, अनुवाद : पुनरीक्षण, सम्पादन, मूल्यांकन, मशीनी अनुवाद, अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य, अनुवाद के गुण।

खण्ड (ग)

छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद, व्यावहारिक अनुवाद।

सदर्भ सामग्री :

1. राजमल बोरा, अनुवाद क्या है, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. मधु धवन, भाषान्तरण कला, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. कैलाशचन्द्र भाटिया, भारतीय भाषाएं और हिन्दी अनुवाद : समस्या समाधान, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. आरसु, साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी पुर्वार्द्ध प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर

पेपर – एच

MAHN 211 - हरियाणवी भाषा और साहित्य (पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (हरियाणा के लोकगीत खण्ड–3,4,5) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां निर्धारित प्रश्नावली में से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित विशिष्ट रचनाकारों और विशिष्ट रचनाओं पर आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. हरियाणा के लोकगीत : खण्ड–3,4,5; साधुराम शारदा, भाषा–विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकुला), 1970

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

खण्ड (क) हरियाणवी : भाषा, संस्कृति और साहित्य :
- हरियाणवी की विशेषताएं,
- हरियाणवी की उपलब्धियां,
- हरियाणवी का पंजाबी, राजस्थानी और ब्रज से पार्थक्य,
- हरियाणवी : उद्‌भव और विकास

खण्ड (ख) हरियाणवी लोक संस्कृति :
- रीति–रिवाज तथा संस्कार,
- पर्व, मेले और त्यौहार,
- खेलकूद
- लोकविश्वास,
- लोकमानस।

खण्ड (ग) हरियाणवी लोक साहित्य :
- लोकगाथा,
- दृश्य एवं श्रव्य सामग्री (फिल्म, टी.वी. रेडियो)।

Scanned with CamScanner

विशिष्ट रचनाकार

1. पंडित लखमीचंद,
2. पंडित मांगेराम,
3. धनपत,
4. रामकिशन व्यास,
5. पंडित तुलेराम।

विशिष्ट रचनाएं

1. भजनोपदेशमाला (पंडित साधुराम)
2. श्री सतगुरु ब्रह्मानंद पचासा (ब्रह्मानंद सरस्वती),
3. हरियाणवी लोककथाएं (सम्पादक, शंकरलाल यादव)
4. झाड़ूफिरी (राजाराम शास्त्री कृत उपन्यास)
5. विघ्न की जड़ (रामफल सिंह चहल कृत एकांकी)।

सदर्भ सामग्री :

1. मानक हिन्दी और वांगरू का व्यतिरके ी विश्लेषण, सोमदत्त वंसल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1983
2. 'संभावना' (लोक साहित्य विशेषांक), हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 1993
3. संत शिरोमणि ब्रह्मानंद सरस्वती, बाबूराम, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2002
4. सांग सम्राट पंडित लखमीचंद, राजेन्द्र स्वरूप वत्स, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ 1991
5. हरियाणा भाषा का उद्‌गम तथा विकास, नानकचंद शर्मा, विश्लेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, 1968
6. हरियाणा (सांस्कृतिक दिग्दर्शन), संकलनकर्त्ता, पुष्पा जैन एवं सत्य पालगुप्त, हरियाणा लोक–सम्पर्क प्रकाशन, चण्डीगढ़ 1978
7. हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन, (सम्पादक) साधुराम शारदा, हरियाणा भाषा विभाग, हरियाणा, 1978
8. हरियाणा का लोक साहित्य, राजाराम शास्त्री, लोक सम्पर्क विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़, 1984
9. हरियाणा लोक साहित्य : सांस्कृतिक संदर्भ, भीमसिंह मलिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1990
10. हरियाणा का लोक साहित्य, लालचंद गुप्त 'मंगल' सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1998
11. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1960
12. हरियाणा की लोकधर्मी नाट्य परम्परा, पूर्णचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़,1983
13. हरियाणा लोकनाट्य परम्परा एवं कवि शिरोमणि पंडित मांगेराम, रघुवीर सिंह मथाना, लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन, रोहतक, 1993
14. हरियाणा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन, गुणपाल सांगवान, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1989
15. हरियाणवी साहित्य का इतिहास, रघुबीर सिंह मथाना एवं डॉ. बाबूराम, लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन, रोहतक, 2005

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उत्तरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – ए

MAHN 301 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक	: 100
लिखित परीक्षा	: 80
आन्तरिक मूल्यांकन	: 20
समय : 3 घण्टे	

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ पुस्तक (विद्यापति की पदावली) में से छः अवतरण दिए जायेंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा। अवतरण शतप्रतिशत विकल्प सहित होंगे।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित कवियों (कबीर, तुलसी) और उनकी रचनाओं पर आधारित छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां पांच कवियों (सरहपाद, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, नन्ददास, मीराबाई) तथा उनकी कृतियों का द्रुतपाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में प्रत्येक कवि से संबंधित दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दने` होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां खण्ड–क और खण्ड–खा में नियत तीनों कवियों और उनकी रचनाओं पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. विद्यापति पदावली, सं.–रामवृक्ष बेनीपुरी, (वन्दना, नखशिख, प्रेम प्रसंग, वसन्त, विरह–कुल पांच खण्ड)

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय :

1. कबीर : व्यक्तित्व और युग, भक्तिभावना, निर्गुण का स्वरूप, रहस्य–साधना, विद्रोह और समाज दर्शन, भाषा, कवि के रूप में कबीर, निर्गुण काव्यधारा में कबीर का स्थान, कबीर और तुलसी के राम में अंतर, ना हिन्दू, ना मुसलमान।
2. तुलसीदास : व्यक्तित्व और युग, दार्शनिक चेतना, भक्तिभावना, लोकमंगल की भावना, चित्रकूट का महत्त्व का महत्त्व, प्रबंध कल्पना, कवितावली का काव्य–सौष्ठव, रामकाव्यधरा में तुलसीदास का स्थान।

सदर्भ सामग्री :

1. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, विद्यापति, नंद किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी, 1979
2. शिव प्रसाद सिंह, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1961
3. राजदेव सिंह, हिन्दी की निर्गुणकाव्यधरा और कबीर, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1980
4. सरनाम सिंह शर्मा, कबीर : व्यवितत्व, कृतित्व और सिद्धान्त, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर,1969
5. भाग्यवती सिंह, तुलसीदास की काव्यकला, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, 1962
6. हरिश्चन्द्र वर्मा, तुलसी साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन, संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1983
7. संभावना, (तुलसी विशेषांक), हिन्दी विभाग, कु.वि. कुरुक्षेत्र, 1975

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – बी

MAHN 302 - काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) आलोचनात्मक प्रश्न (ख) लघूत्तरी प्रश्न (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (घ) व्यावहारिक समीक्षा।
2. खण्ड (क) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। इसमें निर्धारित पाठय् विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित हैं।
3. प्रश्न–पत्र में समूचे पाठय् विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दने हॉगे। प्रत्येक उत्तर 250 शब्दों का होगा। इस के लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
4. समूचे पाठय् विषयों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 8 (1x8) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) के अंतर्गत कोई एक काव्यांश दिया जाएगा, जिसकी व्यावहारिक समीक्षा लिखनी होगी। इस खण्ड के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

पाठय् विषय

1. संस्कृत काव्यशास्त्र

काव्य लक्षण : काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य प्रकार।

रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग (अवयव), साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।

रीति सिद्धान्त : रीति का अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूतव्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएं और औचित्य के भेद।

1. हिन्दी काव्यशास्त्र एवं समीक्षा पद्धतियां

लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि शिक्षा : केशवदास, चिन्तामणि, कुलपति, देव, पद्माकर, मतिराम के सन्दर्भ में।

आलोचनात्मक पद्धतियां : शास्त्रतीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय।

खण्ड–घ व्यावहारिक समीक्षा

प्रश्न–पत्र में पूछे गए किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

Scanned with CamScanner

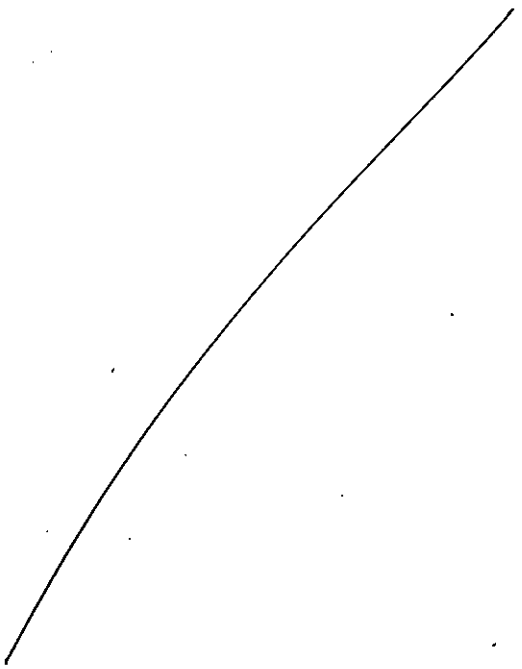

Scanned with CamScanner

सदर्भ सामग्री :

1. साहित्यालोचन, श्यामसुन्दरदास, इंडियन प्रैस, प्रयाग, 1942
2. काव्य के रूप, गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली, 1947
3. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1974
4. सिद्धान्त और अध्ययन, गुलाबराय, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 1980
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नगेन्द्र, नेशनल, पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1953
6. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त (दो भाग) गोविन्द, त्रिगुणायत, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली, 1970
7. भारतीय काव्यशास्त्र, कृष्णबल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1959
8. भारतीय काव्यशास्त्र, सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली, 1974
9. भारतीय काव्यसिद्धान्त, काका कालेलकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1969

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – सी

MAHN 303 - प्रयोजनमूलक हिन्दी(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक–एक का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4x12) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठ्य विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इसके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्य क्रम पर आधारित बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनके लिए 12 (1x12) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठय् विषय :

खण्ड–क

हिन्दी के विभिन्न स्वरूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा, कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य : प्रारूपण, पत्र–लेखन, पल्लयन, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व, निर्माण के सिद्धान्त, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

खण्ड –ख

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेव पब्लिशिंग का परिचय, इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र, इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप अथवा नेटस्केप लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल प्रेषण/ग्रहण, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डानलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड–ग

पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार, समाचार लेखन कला, सम्पादन के आधारभूत तत्त्व, व्यावहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक की संरचना, इंट्रो एवं शीर्षक सम्पादन।

खण्ड–घ

सम्पादकीय लेखन, पृष्ठ–सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार–वार्त्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रैस–कानून एवं आचार संहिता।

Scanned with CamScanner

सदंर्भ सामग्री :

1. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी, नई दिल्ली।
2. प्रेमचंद पंतजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद पंतजलि : आधुनिक विज्ञापन, नई दिल्ली।
4. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, नई दिल्ली।
5. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, प्रयोजनमूलक हिन्दी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
6. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी, नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पणी प्रारूप, वाणी, नई दिल्ली।
8. शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रालेखन प्रारूप, वाणी नई दिल्ली।
9. मणिक मृगेश, राजभाषा विविधा, वाणी, नई दिल्ली।
10. कैलाश चन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
11. महेश चन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ वाणी, नई दिल्ली।
12. रहमतुल्लाह, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उत्तरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – डी

MAHN 304 - भारतीय साहित्य (पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक	: 100
लिखित परीक्षा	: 80
आन्तरिक मूल्यांकन	: 20
समय : 3 घण्टे	

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक 'वर्षा की सुबह में से छः अवतरण वैकल्पिक रूप में दिए जायेंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित विषयों में से दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां व्याख्यार्थ निर्धारित पाठ्यपुस्तक पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. वर्षा की सुबह (उड़िया कविता) सीताकान्त महापात्र।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषयों

1. भारतीय साहित्य और भारतीयता
   भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं, भारतीय साहित्य में आज के भारत का विम्ब, भारतीयता का समाजशास्त्रा, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
2. वंगला और हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : बंगला वैष्णव काव्य परम्परा और हिन्दी भक्तिकाल, वंगला–हिन्दी नाथ साहित्य, बंगला मुस्लिम साहित्य और हिन्दू सूफी काव्य, बंकिमचन्द्र और भारतेन्दु, नज़रूल इस्लाम और निराला, आधुनिक वंगला–हिन्दी गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)।

सदर्भ सामग्री

1. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, फोर्ट विलियम कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 1948
2. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य की कथा, हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2009(वि.)
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीन धर्म साधना, साहित्य भवन, इलाहाबाद 2013 सं.
4. परशुराम चतुर्वेदी, मध्यकालीन प्रेम साधना, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1952
5. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', रवीन्द्र कविता कानन, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली, 1955
6. नगेन्द्र नाथ गुप्त, विद्यापति ठाकुर की पदावली, इण्डियन प्रैस, प्रयाग, 1910
7. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 1970

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – ई

MAHN 305 - कबीरदास(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक 'कबीर ग्रन्थावली, सम्पादक : श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, सम्पूर्ण साखियां एवं रमैणी' में से छ : अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित कवि कबीरदास और उनकी वाणी पर आधारित एवं पाठय् विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठय् क्रम में निर्धारित कवि और उनकी वाणी (कबीर ग्रन्थावली) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। कबीरदास और उनकी वाणी कबीर ग्रन्थावली पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. कबीर ग्रन्थावली : श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (सम्पूर्ण साखियां एवं रमैणी)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

सन्तकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियां, कबीर के अध्ययन की आधार–सामग्री, कबीर का जीवन–वृतान्त, कबीर का यगु और व्यक्तित्व, कवीर की शिष्य परम्परा, उत्तर–भारत की संत–परम्परा और कवीर, कवीर की अनुभूति के प्रेरणा–स्रोत, प्रामाणिक साहित्य और प्रतिपाद्य विषय, कवीर का समाज चिन्तन, कबीर का मानवतावाद, कबीर के राम, कबीर की दार्शनिक विचारधारा, भक्ति–भावना और रहस्यदर्शिता।

सदंर्भ सामग्री :

1. हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर, राजदेव सिंह, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1980
2. कबीर : आधुनिक सन्दर्भ में, राजदेव सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1971
3. कवीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग 1954
4. कबीर की विचारधारा, गोबिन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर 1957
5. कबीर : व्यवितत्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त, सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर.1969
6. कबीर–दर्शन, डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी–विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, 1961
7. कबीर–मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1976
8. कवीरपंथ : साहित्य, दर्शन एवं साधना, उमा ठकु राल, हिन्दी बुक सैंटर, दिल्ली, 1998
9. सन्त साहित्य : पुनर्मूल्यांकन, राजदेव सिंह, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली, 1973
10. सन्तों की सहज साधना, राजदेव सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1976

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उत्तरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – एफ

MAHN 306 - तुलसीदास(पार्ट–I)
(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठ्य क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (रामचरितमानस के नियत अंशों में से छः अवतरण दिए जायेंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित कवि तुलसीदास और उनकी कृतियों पर आधारित एवं पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठ्य क्रम में निर्धारित कवि और उनकी कृतियों पर आधारित एवं पाठ्य विषयों में से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। तुलसीदास और उनकी कृति (रामचरितमानस) पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इन प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंक निर्धारित है।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. रामचरितमानस, तुलसीदास, गीता प्रैस, गोरखपुर। (केवल अयोध्याकाण्ड)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषय

तुलसी का प्रामाणिक साहित्य, रामचरितमानस : प्रतिपाद्य, नामकरण और उद्देश्य, विनयपत्रिका : नामकरण और उद्देश्य, तुलसी और उनका युग–परिदृश्य, लोकतात्त्विक दृष्टि, सांस्कृतिक बोध, भक्ति भावना, मानस का महाकाव्यत्व, तुलसी द्वारा प्रयुक्त अन्य काव्य–रूप : मुक्तक, गीत, लोकगीत।

सदर्भ सामग्री :

1. तुलसी काव्य–मीमांसा, उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 1964
2. तुलसी और उनका युग : राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
3. तुलसीदास : चन्द्रवली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1957
4. तुलसी मानस–रत्नाकर : भाग्यवती सिंह, सरस्वती बुक सदन, आगरा, 1952
5. तुलसी–दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1967
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1972
7. तुलसी : नवमूल्यांकन, रामरत्न भटनागर, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1971
8. तुलसी : उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1974
9. गोंसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1965
10. संभावना (तुलसी विशेषांक), हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – जी

MAHN 307 - सूरदास(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है– (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक सूरसागर–सार (विनय तथा भक्ति, गोकुल–लीला, वृंदावन–लीला, राधा–कृष्ण) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होंगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित कवि सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित एवं पाठय् विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिए 36 (3X12) अंक निर्धारित है।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठय् क्रम में निर्धारित कवि और उनकी कृतियों पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. सूरसागर–सार : धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद (विनय तथा भक्ति, गोकुल–लीला, वृन्दावन–लीला, राधा–कृष्ण)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय

कृष्णभक्ति काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियां, सूरदास का प्रामाणिक जीवन–वृत, जन्मान्धता का प्रश्न, सूरसागर : प्रतिपाद्य और मौलिकता, साहित्यलहरी : प्रतिपाद्य और प्रामाणिकता, सूरसावली : प्रतिपाद्य और प्रामाणिकता, सूर की भक्ति–भावना, दार्शनिक चेतना, सौन्दर्य–दृष्टि, शृंगार वर्णन, वात्सल्य–वर्णन, प्रकृति चित्रण, ब्रज संस्कृति एवं लोकतत्त्व।

सदंर्भ सामग्री :

1. सूर साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई, 1956
2. महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1952
3. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, हिन्दी परिषद, प्रयाग विश्वविद्यालय, 1950
4. सूरदास : हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. सूरदास : रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, वनारस, 1949
6. सूरकाव्य में लोक दृष्टि का विश्लेषण, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2000
7. सूर–सौरभ : मुंशीराम शर्मा 'सोम' आचार्य शुक्ल साधना मंदिर दिल्ली, 1953
8. संभावना (सूर विशेषांक) हिन्दी विभाग, करु क्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 1981

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – एच

MAHN 308 - रीतिकाल(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. समूचा पाठ्य् क्रम चार खण्डों में विभक्त है। (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पाठय् पुस्तक (रीतिकाव्यधारा–प्रथम 6 कवि : 1. केशवदास, 2. बिहारी, 3. मतिराम, 4. भूषण, 5. घनानंद, 6. शेख आलम) में से छः अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषयों में से छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां चिन्तामणि, भिखारीदास, शेख आलम, बोध ठाकुर (पांच) कवियों का द्रुतपाठ अपेक्षित है। प्रत्येक कवि पर दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठ्यपुस्तक (रीतिकाव्यधारा) पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 8 (1x8) अंक निर्धारित हैं।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

रीतिकाव्यधारा, रामचन्द्र तिवारी एवं रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय

रीतिकाल : नामकरण एवं सीमांकन, रीतिकाल की परिस्थितियां, रीतिकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियां, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीति कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाव्य में लोकजीवन, रीतिवद्ध काव्यधारा : परम्परा और विशेषताएं, रीतिसिद्ध काव्यधारा : परम्परा और विशेषताएं। रीतिकालीन वीर काव्य, रीतिकालीन भक्तिकाव्य, रीतिकालीन नीतिकाव्य, रीतिकाल में श्रृंगार वर्णन, रीतिकाव्य में प्रकृति चित्रण, नारीभावना, रीतिकालीन, शतक–काव्य परम्परा,

संदर्भ सामग्री :

1. किशोरीलाल, रीतिकवियों की मौलिक देन, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद 1971
2. देवराज, रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संवत् 2025
3. महेन्द्र कुमार, रीतिकालीन रीति–कवियों का काव्य शिल्प, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978
4. मनेन्द्र पाठक, रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1974
5. रमेश कुमार वर्मा, श्रृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन, आर्य बुक डिपो, दिल्ली 1978
6. रामकुमार वर्मा, रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1996
7. रामदेव शुक्ल, घनानन्द का काव्य, लोकभारती प्रकाशन, साहित्य भवन, इलाहाबाद 1996
8. रामसागर त्रिपाठी, मुक्तक काव्य की परम्परा और बिहारी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली 1996

Scanned with CamScanner

9. सत्यदेव चौधरी, हिन्दी रीति परम्परा के प्रमुख आचार्य, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – आई

MAHN 309 - राजभाषा–प्रशिक्षण(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है– पाठ्यक्रम निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित हैं।
2. सम्पूर्ण पाठय् क्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इसके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर ही आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनके लिए 8 (1x8) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।
4. प्रश्न–पत्र में अंतिम प्रश्न के रूप में परीक्षार्थी से किसी अधिकारी को एक कार्यालयी पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। यह प्रश्न सविकल्प होगा। इस प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है।

पाठय् क्रम में निर्धारित आलाचे नात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

प्रशासन व्यवस्था और भाषा, भारत की बहुभाषिता और एक सम्पर्क–भाषा की आवश्यकता, राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति, राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान : राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960), राजभाषा अधिनियम 1963 तथा संशोधित 1967, (राजभाषा संकल्प 1968), (यथानुमोदित 1971), राजभाषा नियम 1976, द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र, हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी, हिन्दी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका, हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।

सदर्भ सामग्री :

1. महेशचन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी, नई दिल्ली।
2. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ, प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन वाणी, नई दिल्ली।
3. भोलानाथ तिवारी, पत्र–व्यवहार निर्देशिका, वाणी, नयी दिल्ली।
4. श्रीराम मुंढे, विज्ञापन के तत्त्व, वाणी, नयी दिल्ली।
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
6. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पण प्रारूप, वाणी, नई दिल्ली।
7. प्रेमचंद पातंजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
8. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी, नई दिल्ली।
9. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – जे

MAHN 310 - कोश–विज्ञान(पार्ट–I)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है– पाठ्यक्रम निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्म प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित हैं।
2. पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्य विषयों में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इसके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. पाठ्यक्रम पर ही निर्धारित पाठय् विषयों में से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनके लिए 8 (1x8) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।
4. प्रश्न–पत्र में दिए गए पांच शब्दों की 'कोश' हेतु प्रविष्टियां तैयार करनी होंगी। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस अंश के लिए 10 अंक निर्धारित है।

पाठय् क्रम में निर्धारित आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

कोश : परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंत : संबंध, कोश के भेद–रामभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी, एक कालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येता कोश, विश्व कोश, बोली कोश, कोश निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्ठिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उपप्रविष्टियां, संक्षिप्तियां, सन्दर्भ और प्रतिसंदर्भ।

सदर्भ सामग्री :

1. शिवनारायण चतुर्वेदी, हिन्दी शब्द सामर्थ्य, वाणी, नई दिल्ली।
2. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भाषायी अस्मिता और हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
3. किशोरीदास वाजपेयी, हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, नई दिल्ली।
4. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी, नई दिल्ली,
5. राजमल बोरा, अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञानद्ध, वाणी, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष तृतीय समेस्टर

पेपर – के

MAHN 311 - हरियाणा का हिन्दी साहित्य **(पार्ट–I)**

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (हरियाणा की प्रतिनिधि कविता) में संकलित प्रथम पन्द्रह कवि (1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15.) में से छः अवतरण दिए जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषयों में से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठय् विषयों में से दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। इस खण्ड के लिए पाठ्यपुस्तक (हरियाणा प्रतिनिधि कहानियां (1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10.) निर्धारित है। इस पाठ्यपुस्तक में संकलित प्रथम दस कहानियों में से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. हरियाणा की प्रतिनिधि कविता, सम्पादक, माधव कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, 2003

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

हरियाणा : प्रतिनिधि कहानियां, सम्पादक, लालचंद गुप्त 'मंगल', सम्पादक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय

हरियाणा : प्रागैतिहासिक एवं नामकरण, साहित्य–सृजन की प्राचीन परम्परा, जैन काव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, नाथ–सिद्ध काव्य परम्परा एवं प्रवृतियां, संत काव्य : परम्परा एवं प्रवृतियां सूफी काव्य : परम्परा एसं प्रवृतियां, रामकाव्य : परम्परा एवं प्रवृतियां, कृष्ण काव्य : परम्परा एवं प्रवृतियां, महाकाव्य : परम्परा और प्रवृतियां।

Scanned with CamScanner

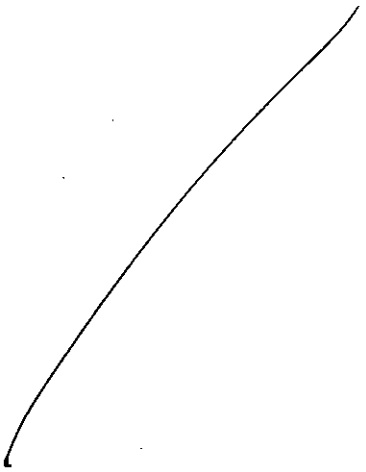

Scanned with CamScanner

सदंर्भ सामग्री :

1. हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन, साधुराम शारदा, भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकूला), 1978
2. हरियाणा में रचित हिन्दी साहित्य, सत्यपाल गुप्त, भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकूला),1969
3. 'सप्तसिन्धु' (हरियाणा साहित्य विशेषांक), भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़ (पंचकूला) 1968
4. हरियाणा का हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, शिव प्रसाद गोयल, नटराज पब्लिशिंग हाऊस करनाल, 1984
5. हरियाणा में रचित सृजनात्मक हिन्दी साहित्य, रामनिवास 'मानव', कृति प्रकाशन, दिल्ली एवं हिसार, 1999
6. 'संभावना' (हरियाणा का हिन्दी साहित्य विशेषांक) लालचंद गुप्त 'मंगल', हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2001
7. हरियाणा की हिन्दी काव्य सम्पदा, शक्ति, सत्य–सुन्दर प्रकाशक, दिल्ली, 1997
8. हरियाणा के हिन्दी प्रबन्ध काव्य, महासिंह पूनिया, निर्मल बुक एजेंसी, कुरुक्षेत्र, 1998
9. हरियाणा में रचित हिन्दी महाकाव्य, रामनिवास 'मानव', अनिल प्रकाशन, दिल्ली, 2002
10. हरियाणा का हिन्दी साहित्य, लालचंद गुप्त 'मंगल' हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – ए

MAHN 401 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **(पार्ट–II)**

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ दो पुस्तकों (जायसी ग्रन्थावली, घनानंद कवित्त) में से छः अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा। अवतरण शत–प्रतिशत विकल्प सहित होंगे।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित कवि (सूरदास) और उनकी रचनाओं पर आधारित छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां पांच कवियों (रदै ास, रहीम, केशव, भूषण, गुरु गोविन्द सिंह) तथा उनकी कृतियों का द्रुतपाठ अपेक्षित है। प्रश्न–पत्र में प्रत्येक कवि से संबंधित दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां खण्ड–क और खण्ड–ख में नियत कवियों (जायसी, घनानंद, सूरदास) और उनकी रचनाओं पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. जायसी ग्रन्थावली, सं. रामचन्द्र शुक्ल (नखशिख खण्ड, नागमती वियोग खण्ड, नागमती संदेश खण्ड=कुल तीन खण्ड।
2. घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय :

1. सूरदास–व्यक्तित्व और यगु , दार्शनिक चेतना, भक्ति–भावना, श्रृंगार वर्णन, वात्सल्य वर्णन, कृष्ण और राधा का शील निरुपण, सौंदर्य बोध, प्रकृति चित्राण, गीतात्मकता, भाषा, भ्रमरगीत–परम्परा में सूर के 'भ्रमरगीत' का स्थान, भ्रमरगीत में वाग्वैदग्ध्य, कृष्ण काव्यधारा में सूर का स्थान।

सदर्भ सामग्री :

1. यश गुलाटी, सूफी कविता की पहचान, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1979
2. राजदेव सिंह, पदमावत : मूल्यांकन, पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली, 1975
3. भीमसिंह मलिक, जायसी काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 1977
4. रामचन्द्र शुक्ल, सूरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1973
5. 'संभावना' सूर विशेषांक, हिन्दी विभाग, कसु क्षेत्र विश्वविद्यालय।
6. हरवंश लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़, 1964
7. कृष्णचन्द्र वर्मा, रीति स्वच्छन्द काव्यधारा, कैलाश पुस्तक सदन, ग्वालियर, 1967
8. लल्लनराय, घनानंद, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1983

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – बी

MAHN 402 - काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) आलोचनात्मक प्रश्न (ख) लघूत्तरी प्रश्न (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (घ) व्यावहारिक समीक्षा।
2. खण्ड (क) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न–पत्र में समूचे पाठय् विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
4. समूचे पाठय् विषयों पर ही आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस खण्ड के लिए 8 (1x8) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड–घ के अंतर्गत कोई एक काव्यांश दिया जाएगा, जिसकी व्यावहारिक समीक्षा लिखनी होगी। इस खण्ड के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

पाठय् विषय :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त

अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी–विरेचन

लोन्जाइनस : उदात्त की अवधारणा

ड्राइडन : काव्य सिद्धान्त

वर्डसवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त

कॉलरिज : कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी.एस. इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण–संवेदनशीलता का असाहचर्य

आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना

सिद्धान्त और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण, अस्तित्ववाद।

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां–संरचनावाद, शैली विज्ञान, विखंडन सिद्धान्त, उत्तर आधुनिकतावाद।

Scanned with CamScanner

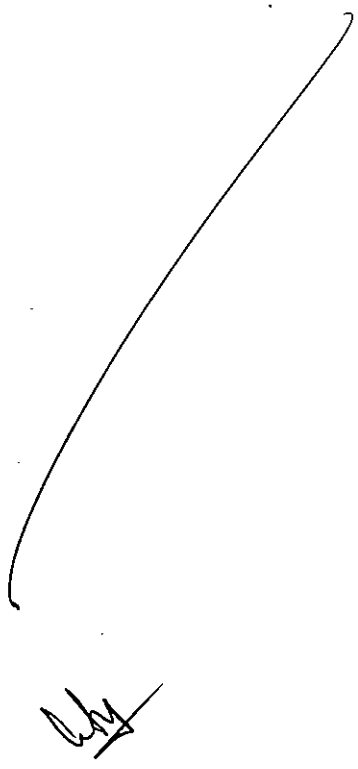

Scanned with CamScanner

सदंर्भ सामग्री :

1. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सत्यदेव चौधरी एवं शान्ति स्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1978
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990
3. समीक्षा शास्त्र, दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1972
4. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त, लीलाधर गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1952
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1988
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1972
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धान्त और वाद, नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1967
8. हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास, भगवतस्वरूप मिश्र, साहित्य सदन देहरादून, 1972
9. हिन्दी आलोचना, अतीत और वर्तमान, प्रभाकर माचवे, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1988
10. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना, पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1992
11. नई समीक्षा, महेन्द्र चतुर्वेदी एवं राजकुमार कोहली, विश्वविद्यालय ग्रन्थ निर्माण निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1980

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – सी

MAHN 403 - प्रयोजनमूलक हिन्दी(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक खंड से किसी एक का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4x12) अंक निर्धारित हैं।
2. समूचे पाठ्य विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. समूचे पाठ्य विषयों पर आधारित बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनके लिए 12 (1x12) अंक निर्धारित हैं। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठय् –विषय :

खण्ड–क मीडिया लेखन, जनसंचार, प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, श्रव्य, इंटरनेट, श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

खण्ड–ख दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा/डाक्यूड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।

खण्ड–ग अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार, अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

खण्ड–घ वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियां, पदनाम, विभाग आदि, पत्रों, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों के अनुवाद।

Scanned with CamScanner

सदर्भ सामग्री :

1. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी, नई दिल्ली।
2. प्रेमचंद पतंजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद पतंजलि : आधुनिक विज्ञापन, नई दिल्ली।
4. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, नई दिल्ली।
5. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, प्रयोजनमूलक हिन्दी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
6. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी, नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पणी प्रारूप, वाणी, नई दिल्ली।
8. शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रालेखन प्रारूप, वाणी नई दिल्ली।
9. मणिक मृगेश, राजभाषा विविधा, वाणी, नई दिल्ली।
10. कैलाश चन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
11. महेश चन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ वाणी, नई दिल्ली।
12. रहमतुल्लाह, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
13. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ, पत्र–व्यवहार निर्देशिका, वाणी।
14. भोलानाथ तिवारी, प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन, वाणी, नई दिल्ली।
15. श्री राम मुदे, बीमा के तत्त्व, वाणी, नई दिल्ली।
16. कृष्ण कुमार गोस्वामी, व्यावहारिक हिन्दी और स्वरूप, वाणी, नई दिल्ली।
17. बालेन्दुशेखर तिवारी सं., प्रयोजनमूलक हिन्दी, संजय बुक सैंटर, वाराणसी।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – डी

MAHN 404 - भारतीय साहित्य (पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तकों (अग्निगर्भ) एवं (घासीराम कोतवाल) में से छः अवतरण पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठय् विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठय् विषयों में से दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां व्याख्यार्थ निर्धारित पाठय् पुस्तक पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. अग्निगर्भ (बंगला उपन्यास) – महाश्वेता देवी
2. घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक)–विजय तेंदुलकर

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित

बंगला साहित्य का इतिहास, चैतन्य पूर्व वैष्णव साहित्य (10–15वीं शती), विद्यापति, मालान्धर बसु, मंगल काव्य : विजय गुप्त, नारायणदेव, चैतन्य वैष्णव यगु (16वीं शती) गौड़ीय, वैष्णव पदावली, चंडीमंगल काव्य, चैतन्य जीवनी, चैतन्योत्तर युग (17वीं शती) मनसामंगल, चंडीमंगल, दुर्गामंगल काव्य, इस्लामी काव्य, नाथ साहित्य, आधुनिक यगु (18वीं शती), बंगला गद्य (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध) का उदय और विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज, राजराम मोहनराय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, बंकिमचन्द्र, चट्टोपाध्याय, रमेशचन्द्र दत्त, तारकनाथ गगोपाध्याय, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, आधुनिक कविता।

सदर्भ सामग्री

1. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, फोर्ट विलियम कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 1948
2. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य की कथा, हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2009
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीन धर्म साधना, साहित्य भवन, इलाहाबाद 2013 सं.
4. परशुराम चतुर्वेदी, मध्यकालीन प्रेम साधना, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1952
5. सूर्यकान्त त्रिपाठी, 'निराला' रवीन्द्र कविता कानन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1955
6. नगेन्द्र नाथ गुप्त विद्यापति ठाकुर की पदावली, इण्डियन प्रेस, प्रयाग, 1910
7. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 1970

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – ई

MAHN 405 - कबीरदास(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (कबीर ग्रन्थावली, सम्पादक : श्यामसुन्दरदास), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (सम्पूर्ण पदावली) में से छः अवतरण पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित कवि कबीरदास और उनकी वाणी पर आधारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठय् क्रम में निर्धारित कवि और उनकी वाणी (कबीर ग्रन्थावली) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। कबीरदास और उनकी वाणी (कबीर ग्रन्थावली) पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. कबीर ग्रन्थावली, श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (सम्पूर्ण पदावली)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय

कबीरदास का प्रेम निरुपण, सौन्दर्य–भावना, रस–योजना (विशेषकर संयोग एवं वियोग शृंगार), समन्वयवाद, मध्यकालीन विचारकों में कबीर का स्थान, आधुनिक संदर्भों में कबीर काव्य की प्रासंगिकता, कविता का मानदण्ड और कबीर, काव्य रूप, छन्द–अलंकार, प्रतीक–योजना, रचना–शैली, उल्टबांसियां, प्रमुख पारिभाषिक शब्द (शून्य, निरंजन, नाद, विन्दू, सहज, खसम, उन्मनि)

सदंर्भ सामग्री :

1. हिन्दी की निर्गुण काव्यधरा और कबीर, राजदेव सिंह, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1980
2. कबीर : आधुनिक सन्दर्भ में, राजदेव सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1971
3. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग 1954
4. कबीर की विचारधारा, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर, 1957
5. कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त, सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर.1969
6. कबीर–दर्शन, डॉ. दीनदयाल, गुप्त, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, 1981
7. कबीर–मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1976
8. कबीरपंथ : साहित्य, दर्शन एवं साधना, उमा ठकु राल, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली, 1998

Scanned with CamScanner

9. सन्त साहित्य : पुनर्मूल्यांकन, राजदेव सिंह, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली, 1973
10. सन्तों की सहज साधना, राजदेव सिह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1976

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – एफ

MAHN 406 - तुलसीदास(पार्ट–II)
(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (विनयपत्रिका) के नियत अंशों में से छः अवतरण पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित कवि तुलसीदास और उनकी कृति पर छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि और उनकी कृति (विनयपत्रिका) पर आधारित दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। तुलसीदास और उनकी कृति (विनयपत्रिका) पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. विनयपत्रिका : तुलसीदास, गीता प्रैस, गोरखपुर। (केवल उत्तरार्द्ध)

आलोचनात्मक एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

विनय पत्रिका : नामकरण और उद्देश्य, तुलसीदास की नारी–भावना, मर्यादावाद, मनोविज्ञान, शील–निरुपण, प्रकृति चित्रण, गीतिकाव्य, काव्य–भाषा, भारतीय साहित्य के संदर्भ में तुलसी का मूल्यांकन, आधुनिक संदर्भों में तुलसी काव्य की प्रासंगिकता।

सदर्भ – सामग्री :

1. तुलसी काव्य–मीमांसा, उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 1964
2. तुलसी और उनका युग, राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
3. तुलसीदास, चन्द्रवली, पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1957
4. तुलसी मानस–रत्नाकर : भाग्यवती सिंह, सरस्वती बुक सदन, आगरा 1952
5. तुलसी–दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1967
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1972
7. तुलसी : नवमूल्यांकन, रामरत्न भटनागर, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद 1971
8. तुलसी : उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1974
9. गोंसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1965
10. संभावना (तुलसी विशेषांक), हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

Scanned with CamScanner

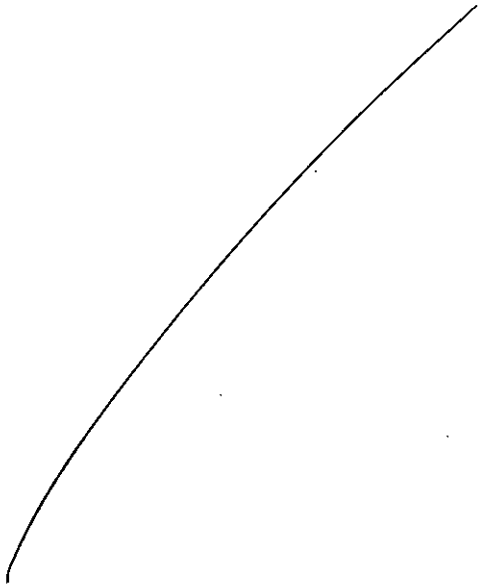

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – जी

MAHN 407 - सूरदास(पार्ट–II)
(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक सूरसागर–सार (मथुरा गमन, उद्धव संदेश, द्वारिका चरित) में से छः अवतरण पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित कवि सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। सूरदास और उनकी कृतियों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

1. सूरसागर–सार : धीरेन्द वर्मा, साहित्य भवन प्रा. लिं., इलाहाबाद (मथुरा गमन, उद्धव संदेश, द्वारिका चरित)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय

भ्रमरगीत का उद्देश्य, भ्रमरगीत में वाग्वैदग्ध्य, कृष्ण, राधा, नन्द और यशोदा के शील–निरुपण, आधुनिक संदर्भों में सूरकाव्य की प्रासंगिकता, भ्रमरगीत परम्परा में सूरकृत भ्रमरगीत का स्थान, सूर का गीतिकाव्य, संगीत–साधना, दृष्टिकूट–पदावली, भाषा, काव्य रूप एवं छन्द–अलंकार योजना, सूरकाव्य और कविता के आधुनिक प्रतिमान।

सदंर्भ सामग्री :

1. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई, 1956
2. महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 1952
3. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, हिन्दी परिषद, प्रयाग विश्वविद्यालय, 1950
4. सूरदास : हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. सूरदास : रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, बनारस, 1949
6. सूरकाव्य में लोक दृष्टि का विश्लेषण, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2000
7. सूर–सौरभ : मुंशीराम शर्मा 'सोम' आचार्य शुक्ल, साधना मंदिर दिल्ली, 1953
8. संभावना (सूर विशेषांक) हिन्दी विभाग, कुरु क्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 1981

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – एच

MAHN 408 - रीतिकाल (पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–(क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पाठय् पुस्तक (रीतिकाव्यधारा–अंतिम 7 कवि), में से छः अवतरण दिए जायेंगे, जिनमें से तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषयों में से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। यहां (गिरिधर, वृंद, लाल, सूदन, दयाराम) पांच कवियों पर दुतपाठ अपेक्षित है। प्रत्येक कवि पर दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। पाठ्यपुस्तक (रीतिकाव्यधारा) पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठय् ग्रन्थ

रीतिकाव्यधारा, रामचन्द्र तिवारी एवं रामफेर त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय

रीतिकाल में अलंकार–निरुपण, छंद योजना, भाषा–सौष्ठव, काव्य–रूप, गद्य–साहित्य, रीतिकाल का योगदान, केशवदास और उनका काव्य, भिखारी दास और उनका काव्य, पद्माकर और उनका काव्य, बिहारी और उनका काव्य, भूषण और उनका काव्य, घनानंद और उनका काव्य

सदंर्भ सामग्री :

1. किशोरीलाल, रीतिकाव्यों की मौलिक देन, साहित्यभवन, प्रा.लि., इलाहाबाद,1971
2. देवराज, रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, संवत् 2025
3. महेन्द्र कुमार, रीतिकालीन रीति–कवियों का काव्य शिल्प, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978
4. मनेन्द्र पाठक, रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1974
5. रमेश कुमार शर्मा, श्रृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978
6. रामकुमार वर्मा, रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1984
7. रामदेव शुक्ल, घनानंद का काव्य, लोकभारती प्रकाशन, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1996
8. रामसागर त्रिपाठी, मुक्तक काव्य की परम्परा और बिहारी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1966

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – आई

MAHN 409 - राजभाषा–प्रशिक्षण(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर दने होंगे। इसके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित हैं।
2. सम्पूर्ण पाठय् क्रम पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. सम्पूर्ण पाठय् क्रम पर ही आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।
4. प्रश्न–पत्र में अंतिम प्रश्न के रूप में, परीक्षार्थी से किसी अधिकारी को एक कार्यालयी पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। दो प्रश्न पूछे जायेंगे एक का उत्तर देना होगा। प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

पाठय् क्रम में निर्धारीत आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार, कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या, हिन्दी कम्प्यूटरीकरण, हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण, केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति, विधिक क्षेत्र में हिन्दी, सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि, भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

सदर्भ सामग्री :

1. महेशचन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी, नई दिल्ली।
2. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ, प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन वाणी, नई दिल्ली।
3. भोलानाथ तिवारी, पत्र–व्यवहार निर्देशिका, वाणी, नयी दिल्ली।
4. श्रीराम मुंढे, विज्ञापन के तत्त्व, वाणी, नई दिले।
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
6. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पण प्रारूप, वाणी, नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पण प्रारूप, नई दिल्ली।
8. प्रेमचंद पातंजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
9. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी, नई दिल्ली।
10. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – जे

MAHN 410 - कोश –विज्ञान(पार्ट–II)

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर दने` होंगे। इसके लिए 42 (3ग14) अंक निर्धारित हैं।
2. पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्य विषयों पर आधारित दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 20 (5x12) अंक निर्धारित हैं।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।
4. प्रश्न–पत्र में दिए गए पांच शब्दों की 'कोश' हेतु प्रविष्टियां तैयार करनी होंगी। प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। इस प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

पाठय् क्रम में निर्धारीत आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

प्रविष्टि संरचना, रूपिम, शब्द और शब्दिम्, सरल, व्युत्पन्न और सामायिक शब्दिम, सहप्रयोगात्म, व्युत्पादक समास, सहप्रयोग और सन्दर्भ, रूप–अर्थ संबंध : अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता, कोश निर्माण की समस्याएं : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओं का कोश–निर्माण।

कोश–निर्माण।

कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र, अर्थविज्ञान, पाश्चात्य कोश परम्परा, भारतीय कोश परम्परा तथा हिन्दी कोश साहित्य का इतिहास, हिन्दी कोश निर्माण : विज्ञान या कला।

सदंर्भ सामग्री :

1. शिवनारायण चतुर्वेदी, हिन्दी शब्द सामर्थ्य, वाणी, नई दिल्ली।
2. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भाषायी अस्मिता और हिन्दी, वाणी, नई दिल्ली।
3. किशोरीदास वाजपेयी, हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, वाणी, नई दिल्ली।
4. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी, नई दिल्ली।
5. राजमल बोरा, अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञान), वाणी, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम एम0 ए0 हिन्दी उतरार्द्ध द्वितीय वर्ष चतुर्थ समेस्टर

पेपर – के

MAHN 411 - हरियाणा का हिन्दी साहित्य **(पार्ट–II)**

(शैक्षणिक सत्र 2020–21 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

समूचा पाठय् क्रम चार खण्डों में विभक्त है–

1. (क) संदर्भ सहित व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न (ग) लघूत्तरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
2. खण्ड (क) संदर्भ सहित व्याख्या से सम्बन्धित है। व्याख्यार्थ निर्धारित पुस्तक (हरियाणा की प्रतिनिधि कविता) अंतिम चौदह कवि में से छः अवतरण में संकलित किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (3X7) अंकों का होगा।
3. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से सम्बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय विषयों में से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस खण्ड के लिये 36 (3X12) अंकों का होगा।
4. खण्ड (ग) लघूत्तरी प्रश्नों से सम्बन्धित है। निर्धारित पाठय विषयों में से दस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (5x3) अंक निर्धारित हैं।
5. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से सम्बन्धित है। इस खण्ड के लिए पाठ्यपुस्तक (हरियाणाः प्रतिनिधि कहानियां) निर्धारित हैं। इस पाठ्यपुस्तक में संकलित अंतिम दस कहानियों में से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (1x8) अंकों का होगा।

व्याख्या हेतु पाठय ग्रन्थ

1. हरियाणा की प्रतिनिधि कविता, सम्पादक माधव कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् ग्रंथ

हरियाणा : प्रतिनिधि कहानियां, सम्पादक लालचंद गुप्त 'मंगल', हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठय् विषय :

1. खण्डकाव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, मुक्तक काव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, पत्रकारिता : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, निबन्ध : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, आलोचना : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, उपन्यास : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, कहानी : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, लघु कथा : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, बाल–साहित्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, नाटक : नवगीत : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, नवगीत : परम्परा एवं प्रवृत्तियां, हिन्दी साहित्य को हरियाणा का योगदान।

Scanned with CamScanner

सदंर्भ सामग्री :

1. हरियाणा में रचित हिन्दी साहित्य, सत्यपाल गुप्त, भाषा विभाग हरियाण, चण्डीगढ़ (पंचकूला), 1969
2. 'सप्तसिन्धु' (हरियाणा साहित्य विशेषांक), भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़, पंचकूला, 1968
3. हरियाणा का हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, शिव प्रसाद गोयल, नटराज, पब्लिशिंग हाऊस करनाल, 1984
4. हिन्दी साहित्य को हरियाणा का योगदान, शशिभूषण सिंहल एवं सत्यपाल गुप्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ (पंचकूला), 1991
5. हरियाणा में रचित सृजनात्मक हिन्दी साहित्य, रामनिवास 'मानव', कृति प्रकाशन, दिल्ली एवं हिसार, 1999
6. 'संभावना' (हरियाणा का हिन्दी साहित्य विशेषांक) लालचंद गुप्त 'मंगल', हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2001.
7. हरियाणा की हिन्दी काव्य सम्पदा, शक्ति, सत्य–सुन्दर प्रकाशक, दिल्ली, 1997
8. हरियाणा के हिन्दी प्रबन्ध काव्य, महासिंह पूनिया, निर्मल बुक एजेंसी, कुरुक्षेत्र, 1998
9. हिन्दी उपन्यास साहित्य को हरियाणा का योगदान (अप्रकाशित शोध–प्रबन्ध) सुखप्रीत, हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 1997
10. हरियाणा का लघुकथा संसार, रूपदेवगुण एवं राजकुमार निजात, राज पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1988
11. हरियाणा की हिन्दी कहानी, उषालाल, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1996
12. हरियाणा में रचित हिन्दी नाटकों का सांस्कृतिक अध्ययन (अप्रकाशित शोध–प्रबन्ध) किरणवाला, हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।
13. हरियाणा का हिन्दी साहित्य, लालचंद गुप्त 'मंगल' हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

Scanned with CamScanner

7. विस्तृत पाठ्यक्रम :
विस्तृत योजना और पाठ्यक्रम नीचे दिए गए हैं और डीईबी, यूजीसी से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.gjust.ac.in) पर भी उपलब्ध होंगे, और पाठ्यक्रम की अधिकांश सामग्री पारंपरिक माध्यम से भी प्रस्तुत होगी।

8. कार्यक्रम की अवधि
एमए. हिंदी की न्यूनतम अवधि दो वर्ष है और अधिकतम अवधि चार वर्ष है। यह कार्यक्रम वार्षिक प्रणाली को अपनाता है। और उक्त कार्यक्रम को सत्र 2022–2023 के लिए च्वाइस आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के अनुसार चलाया जाएगा। जिसमें छात्र या ज्ञान चाहने वाले को वैकल्पिक तौर पर अपना पाठ्यक्रम चुनने की सुविधा होती है। यह कार्यक्रम **80:20** के अनुसार चलेगा। विस्तृत पाठ्यक्रम योजना इस प्रकार है।

9. संकाय और सहयोगी कर्मचारी

इस कार्यक्रम को चलाने के लिए एक पूर्णकालिक संकाय नियुक्त किया जाता है। सहायक स्टाफ छात्रों की समस्याओं की देखभाल करता है। ऑनलाइन प्रवेश, हेल्पलाइन परीक्षा से संबंधित कार्य, अध्ययन सामग्री वितरण, शिकायत, निवारण आदि उनके कार्य दायित्व है। संकाय के अंतर्गत सभी पदों की भर्ती हमेशा यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार की जाती है।

विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) का नेतृत्व निदेशक द्वारा किया जाता है। जो डीडीई में प्रस्तावित कार्यक्रमों के विकास, कार्यान्वयन और निगरानी की सुविधा के लिए कुलपति द्वारा नियुक्त विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक संकाय सदस्य (प्रोफेसर) होता है। निदेशालय की गतिविधियों से संबंधित सभी प्रशासनिक मामले उसकी देखरेख में संपंन किए जाते हैं। इसके अलावा, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय का एक पूर्णकालिक संकाय सदस्य के पद पर नियुक्त होता है। सहायक स्टाफ में डिप्टी रजिस्ट्रार, एक सहायक निदेशक, एक अधीक्षक और दो उप अधीक्षक, एक हिंदी अधिकारी, छह सहायक और अन्य लिपिक कर्मचारी शामिल हैं जो दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) की गतिविधियों का समन्वय कर रहे हैं और दूरस्थ छात्रों की समस्याओं को देखते हैं। सहायक कर्मचारी ऑनलाइन प्रवेश हेल्प लाइन, परीक्षा संबंधी कार्य, अध्ययन सामग्री वितरण, शिकायत निवारण आदि के माध्यम से छात्रों की समस्याओं को देखता है। डीडीई को असाइनमेंट और अन्य छात्र सहायता गतिविधियों के ऑनलाइन अपलोडिंग और मूल्यांकन के लिए आईटी सेल द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। डीडीई ने भी पं. दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (पीडीयूसीआईसी) विभाग, गुरु

जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की दूरस्थ वेबसाइट के माध्यम से दूरस्थ छात्र को महत्वपूर्ण जानकारी संप्रेषित करने के लिए। च्क्न्ब्ड विभाग विश्वविद्यालय की दूरस्थ वेबसाइट का प्रबंधन करता है।

10. संकाय :

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) के पास पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्यक्रम को देखने के लिए योग्य शिक्षण संकाय हैं। वे दूरस्थ शिक्षा से संबंधित निम्नलिखित गतिविधियों को क्रियांवित करते है।

- दूरस्थ छात्रों के लिए व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (पीसीपी) कक्षाओं का आयोजन।
- विनियमों और पाठ्यचर्या में परिवर्तन, प्रवेश कार्य, नए छात्रों की काउंसलिंग करना।
- शैक्षणिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए सभी अध्ययन केंद्रों के साथ समन्वय करना।
- सभी सेमेस्टर/वर्ष के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए समन्वय करना।
- छात्रों के सत्रीय कार्य की तैयारी और मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा के लिए संकाय सदस्यों के साथ समन्वय करना।

11. निर्देशात्मक वितरण तंत्र

विश्वविद्यालय की शिक्षण प्रणाली में चार घटक शामिल हैं, जैसे, स्व–शिक्षण सामग्री (एसएलएम), व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम, आंतरिक मूल्यांकन और अंतिम परीक्षा।

- **स्व–शिक्षण सामग्री (एसएलएम)** – दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की सफलता और प्रभावशीलता काफी हद तक अध्ययन सामग्री पर निर्भर करती है, इसलिए यह आवश्यक है कि अध्ययन सामग्री (एसएलएम) स्व–शिक्षण मोड में आसान और बेहतर हो। स्व–शिक्षण सामग्री (एसएलएम) नामक प्रिंट मीडिया के माध्यम से सीखने की सामग्री को यूजीसी के दिशानिर्देशों के बाद स्व–व्याख्यात्मक, आत्म–निहित, आत्म–प्रेरक और स्व–निकासी के दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है।
- **व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम** – पीसीपी सत्र कार्यक्रम के आगे बढ़ने पर शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं। पीसीपी की तिथि और स्थान के बारे में हमारी वेबसाइट या एसएमएस सेवा के माध्यम से शिक्षार्थियों को सूचित किया जाएगा। पीसीपी के दौरान, शिक्षार्थी को

कार्यक्रम और विषय की बेहतर समझ के लिए मार्गदर्शन मिलता है। विश्वविद्यालय परिसर में संबंधित पाठ्यक्रम समन्वयक द्वारा प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए वार्षिक कार्यक्रम के लिए 15 दिनों की अवधि और सेमेस्टर कार्यक्रम के लिए 10 दिनों की अवधि के व्यक्तिगत संपर्क - कार्यक्रम (पीसीपी) की व्यवस्था की जाएगी। शिक्षार्थी विषय विशेषज्ञों की सहायता से अपनी शंकाओं को दूर कर सकते हैं ताकि उनकी स्वयं सीखने की क्षमता में सुधार हो सके। शिक्षार्थियों को अपने सभी संबंधित विषयों के लिए पीसीपी सत्र में भाग लेना आवश्यक एवं होता है।

• **आंतरिक मूल्यांकन**– दूरस्थ शिक्षा शिक्षार्थियों को स्व–अध्ययन पर अधिक निर्भर रहना पड़ता है। शिक्षार्थी के लेखन कौशल और समझ के स्तर का पता लगाने के लिए, सभी शिक्षार्थियों के लिए सत्रीय कार्य अनिवार्य है। इस विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) के पास असाइनमेंट अपलोड करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल है और इसका मूल्यांकन विषय विशेषज्ञ द्वारा ऑनलाइन किया जाएगा। प्रत्येक विषय के लिए 20 अंकों के दो सत्रीय कार्य अर्थात 10 अंक प्रत्येक के लिए आवंटित किए जाएंगे जिनमें व्यावहारिक आधारित प्रश्न होंगे। सत्रीय कार्य के प्रश्न पत्र एक निर्धारित समय के भीतर वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे और शिक्षार्थियों को एक निश्चित अवधि के भीतर उनका जवाब देना होगा। शिक्षार्थी की प्रतिक्रिया की जांच एक संकाय सदस्य द्वारा की जाती है।

• **अंतिम परीक्षाएं**– प्रत्येक सत्र के अंत में शिक्षार्थी प्रत्येक विषय के लिए 80 अंकों की सैद्धांतिक परीक्षा देंगे, जो निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर होगा।

11. छात्र सहायता सेवाएं :

विश्वविद्यालय का दूरस्थ विभाग ऑनलाइन मोड के माध्यम से छात्र सहायता सेवाएं प्रदान करता है। ऑनलाइन मोड के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली मुख्य छात्र सहायता सेवाएं निम्नलिखित हैं–

• छात्रों के लिए ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल

• छात्रों के लिए ऑनलाइन शुल्क पोर्टल

• पीसीपी, परियोजना, समय सीमा और वाइवा–वॉयस आदि से संबंधित जानकारी के लिए छात्रों के लिए एसएमएस अलर्ट सुविधा।

- सहायक तकनीकी कर्मचारियों की सहायता से शिकायत निवारण तंत्र अपनाया जाता है
- व्यावहारिक प्रश्न आधारित सत्रीय कार्य
- पुराने प्रश्न पत्रों और अध्ययन सामग्री की ऑनलाइन उपलब्धता
- विश्वविद्यालय में सत्रांत परीक्षा के बाद व्यापक मौखिक परीक्षा आयोजित की जाती है
- छात्र सहायता डेस्क भी उपलब्ध हैं।

12. मीडिया प्रिंट, ऑडियो या वीडियो, ऑनलाइन, कंप्यूटर उपकरण की उपलब्धता :

कक्षा शिक्षण और ई–पुस्तकों को डाउनलोड करने के लिए दूरस्थ शिक्षा में एक अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला और कक्षाएं विशेष रूप से उपलब्ध हैं, 40 पीसी में भाषा सॉफ्टवेयर से लैस भाषा प्रयोगशाला, एमएस ऑफिस के नवीनतम संस्करण के साथ और इंटरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। यह कंप्यूटर लैब विश्वविद्यालय के सभी दूरस्थ शिक्षार्थियों की कंप्यूटिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। इसके अलावा, कंप्यूटर लैब में एक प्रिंटर, एक स्कैनर और एक एलईडी है जो छात्रों को प्रेजेंटेशन और वीडियो लेक्चर के माध्यम से पढ़ाने के लिए है। ऑनलाइन प्रवेश, शुल्क भुगतान, असाइनमेंट को अपलोड करने, मेल के माध्यम से किसी भी अन्य प्रश्न आदि के संबंध में प्रश्नों और फीडबैक फॉर्म को संभालने के लिए एक लैब अटेंडेंट है।

Study Centres of the University
List of Study Centres

Sr. No.	Centre Code	**Name and Address of Study Centre**	**Programmes Approved**
1.	4102	Maharani Lakshmi Bai College, Balsmand Road, Bhiwani Rohilla, Hisar Mob.94160-44471, 82953-44449	M.A. (Hindi), BA
2.	4103	Guru Dronacharya Girls College, Mandi Adampur, Hisar, Haryana- 125052 Mob. No. 9996850047, 9215839001 Email: info.gdgc@gmail.com	M.A. (Hindi) BA
3.	4104	Asha Girls College, Panihar Chack, Hisar Mob. No. 9215547280, 9416547280 Email: drvkmaiya@gmail.com	M.A. (Hindi) BA
4.	4107	ODM College for Women, Muklan, Hisar Mob. No.989677890,01662-238789 Email-odmhisar@yahoo.com	M.A. (Hindi) B.A.

13. प्रवेश, पाठ्यचर्या लेनदेन और मूल्यांकन के लिए प्रक्रिया :

- प्रवेश प्रक्रिया : विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार पूरी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन है।
- कार्यक्रम के लिए प्रवेश नीति ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरने पर आधारित है। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया चार चरणों वाली प्रक्रिया है। जिसमें उम्मीदवार पंजीकरण, नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भुगतान विकल्प, आवेदन पत्र भरना, आवश्यक स्कैन किए गए दस्तावेज़ अपलोड करना और पात्रता होना शामिल है।

14. पात्रता :

किसी भी विषय में बी.ए, स्नातक या इसके समकक्ष मान्यता प्राप्त डिग्री।

structure (in two instalments in a year)

Total Rs. 10000 + Rs. 10000 = Rs. 20000 Full Course

1st Installment	**5000/-***
2nd Installment	**5000/-**
3rd Installment	**5000/-***
4th Installment	**5000/-**

₹500/– नए प्रवेश के मामले में विश्वविद्यालय पंजीकरण शुल्क के रूप में और अगली कक्षा/वर्ष में पदोन्नति के मामले में निरंतरता शुल्क के रूप में और वार्षिक पाठ्यक्रमों के मामले में विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क के रूप में ₹1000/–।

इसके अतिरिक्त ₹ 100/– से अधिक छात्र शुल्क के रूप में (पूर्व छात्र निधि) भी प्रवेश के समय पाठ्यक्रम की अवधि में एक बार देय है।

15. पाठ्यक्रम लेनदेन

निदेशालय सेल्फ लर्निंग मोड (एसएलएम) मुद्रित पुस्तक/पाठ के साथ–साथ दूरस्थ शिक्षा की वेबसाइट पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री की आपूर्ति करेगा। छात्र सीधे निदेशालय से या डाक/कूरियर सेवा द्वारा प्राप्त करेंगे।

विश्वविद्यालय परिसर में संबंधित पाठ्यक्रम समन्वयक द्वारा प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए वार्षिक कार्यक्रम के लिए 15 दिनों की अवधि और सेमेस्टर कार्यक्रम के लिए 10 दिनों की अवधि के व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (पीसीपी) की व्यवस्था की जाएगी। विषय विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को आवश्यकता अनुसार थ्योरी/प्रैक्टिकल शिक्षण प्रदान किया जाएगा। पीसीपी प्रॉस्पेक्टस में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा छात्रों को दूरस्थ शिक्षा वेबसाइट और एसएमएस के माध्यम से भी सूचित किया जाता है। हालांकि, छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे पीसीपी के लिए संबंधित पाठ्यक्रम समन्वयक को उसमें दिए गए संपर्क पर रिपोर्ट करें।

•मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन व्यावहारिक कार्यों पर आधारित होता है और मूल्यांकन संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। प्रासंगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा बाह्य अवधि के अंत का मूल्यांकन किया जाता है।

• आंतरिक असाइनमेंट ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि

वार्षिक प्रणाली के तहत हर साल 30 अप्रैल

• ₹500/– के विलंब शुल्क के साथ आंतरिक असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि हर साल 31 मई।

• ₹1000/– के विलंब शुल्क के साथ आंतरिक असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि हर साल 15 जून।

नोटः छात्रों को ऊपर उल्लिखित निर्धारित समय अवधि में 20% वेटेज के प्रत्येक थ्योरी पेपर के दो आंतरिक हस्तलिखित असाइनमेंट अपलोड करने होंगे। छात्रों द्वारा तैयार किए जाने वाले सत्रीय कार्य वेबसाइट ककम.हरनेज.ब.पद पर उपलब्ध होंगे। असाइनमेंट के

प्रश्न पत्र को डाउनलोड करने और हल किए गए असाइनमेंट को अपलोड करना छात्र की एकमात्र जिम्मेदारी है।

16. एमए. हिंदी परोक्षा के लिए योजना और निर्देश :

शैक्षणिक कैलेंडर (पीसीपी अनुसूची, असाइनमेंट जमा करने की समय सीमा आदि।

आंतरिक मूल्यांकन व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित है और मूल्यांकन प्रासंगिक क्षेत्रों में विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।

टर्म एंड मूल्यांकन –

- एमए. हिंदी प्रोग्राम को सालाना चार सालों में बांटा गया है। प्रत्येक सेमेस्टर आमतौर पर शिक्षण और परीक्षा सहित 21 सप्ताह की अवधि का होगा। प्रत्येक पेपर 80% बाहरी और 20% आंतरिक के अनुपात में 100 अंकों का होगा। अंकों का विभाजन इस प्रकार है।

  फाइनल/मेजर टेस्ट (बाहरी) – 80 अंक

  आंतरिक मूल्यांकन (आंतरिक) – 20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन के 20 अंकों के वेटेज का वितरण निम्नानुसार होगा –

आंतरिक मूल्यांकन के लिए 20 अंक आवंटित किए गए हैं, जो प्रत्येक 1 0 अंकों के दो हस्तलिखित असाइनमेंट के आधार पर हैं। सत्रीय कार्यों के प्रश्न समय–समय पर दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

कुल अंक – 100 अंक

उत्तीर्ण अंक – 35 अंक

अधिकतम समय 03 (तीन) घंटे है।

17. प्रयोगशाला सहायता और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता

•प्रयोगशाला सहायता:

पुस्तकालय संसाधनों से संबंधित आधारभूत संरचना विश्वविद्यालय के वर्तमान ढांचे में उपलब्ध है जिससे हमारे पास नवीनतम पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रों के साथ एक उत्तम पुस्तकालय है। इसका नाम महान भारतीय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक डॉ. भीम राव अम्बेडकर के नाम पर रखा गया है।

•पुस्तकालय संसाधन

• हरियाणा के अनुसूचित जाति के छात्र जिनके परिवार की सभी स्रोतों से आय रु. राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 2.5 लाख प्रति वर्ष हैं। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए और जो प्रवेश के समय, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ष्जातिष और ष्आयष प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हैं, उन्हें किसी भी प्रकार की फीस का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है और वे 1000/– की राशि का भुगतान कर सकते हैं। (वापसी योग्य) प्रवेश के समय सुरक्षा/सावधानी राशि के रूप में। पात्र अनुसूचित जाति के छात्र प्रवेश/शुल्क जमा करने के समय पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति फॉर्म जमा करेंगे। भरे हुए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति फॉर्म की हार्ड कॉपी निर्धारित समय के भीतर दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के कार्यालय में जमा करनी होगी, ऐसा नहीं करने पर उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि छात्र छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं करता है या छात्रवृत्ति के लिए अपात्र पाया जाता है या पात्र होने के कारण उसे एक या अन्य कारण से छात्रवृत्ति से सम्मानित नहीं किया जाता है, तो वह देर से जुर्माना/रुपये .10/– प्रति दिन के साथ पूर्ण शुल्क का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा।

• गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की तर्ज पर शुल्क में छूट हरियाणा के तकनीकी शिक्षा निदेशालय के मुख्यालय पंचकूला स्थित कार्यालय के कर्मचारियों और गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में पदस्थापित लेखा परीक्षा कर्मचारियों को भी दी जाएगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, हिसार विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे सभी पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार का स्टॉफ इस सुविधा का लाभ उठाने का हकदार होगा।

• छात्रों को परिणाम की प्रतीक्षा किए बिना अनुसूची के अनुसार बाद के सेमेस्टर / किस्तों का शुल्क जमा करना होगा ताकि निदेशालय समय पर अध्ययन सामग्री की आपूर्ति कर सके।

• अध्ययन के दौरान किसी भी छात्र की आकस्मिक मृत्यु के मामले में, यदि माता–पिता द्वारा दावा किया जाता है, तो उसके द्वारा उस सत्र के लिए भुगतान की गई फीस वापस कर दी जाएगी।

• एन.सी.ओ के पद तक सेवारत/सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को कुल शुल्क में 25: की छूट। या युद्ध के दौरान पूरी तरह या आंशिक रूप से मारे गए या अक्षम सैन्य कर्मियों और उनके बच्चों को छूट दी जाएगी।

20. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र :

- **विश्वविद्यालय की गुणवत्ता नीति :**

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ळश्रन्ज्) गुणवत्ता नीति के निम्नलिखित बिंदुओं का पालन और कार्यान्वयन करके शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है:

- सक्षम और प्रेरक संकाय का चयन करना
- पाठ्यक्रम को शिक्षा की आवश्यकताओं के अनुसार अपडेट करना
- गुणवत्ता अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देना
- पारदर्शी और जवाबदेह शासन सुनिश्चित करना
- शिक्षार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना
- शैक्षणिक संस्थानों और समाज के साथ सहजीवी संबंध स्थापित करना
- वित्तीय आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करना

• सलाहकार समिति–

गुणवत्ता आश्वासन से संबंधित मामलों के साथ–साथ निदेशालय की गतिविधियों की निगरानी के लिए कुलपति की अध्यक्षता में सलाहकार समिति का गठन किया गया है। नवीनतम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मुक्त और दूरस्थ शिक्षा विनियम), 2017 के अनुसार दूरस्थ शिक्षा (डीई) कार्यक्रमों के लिए विशेष रूप से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (सीआईक्यूए) के लिए छात्र परामर्श केंद्र तैयार किया जाएगा। डीडीई के पास एसएलएम तैयार करने के लिए विशेषज्ञों का एक अनुमोदित पैनल है और इसे पाठ्यक्रम समन्वयक द्वारा संपादित किया जा रहा है।

• आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (आईक्यूएसी)

आईक्यूएसी एसएलएम के विकास और तैयारी की भी देखरेख करता है, और फिर इसे अनुमोदन के लिए संबंधित बोर्ड ऑफ स्टडीज को प्रस्तुत किया जाता है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (आईक्यूएसी) की स्थापना का उद्देश्य मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में उच्च शिक्षा के उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रम प्रदान करने के लिए एक व्यापक और गतिशील आंतरिक गुणवत्ता हैं।

21. वर्ष 2022-23 के लिए आईक्यूएसी की संरचना :

- निदेशक (डीई), आईक्यूएसी के निदेशक
- कॉलेजों के डीन, सदस्य
- परीक्षा नियंत्रक, सदस्य
- निदेशक, यूसीआईसी, सदस्य
- प्रो. उमेश आर्य, विभाग सीएमटी, सदस्य
- प्रो. विक्रम कौशिक, विभाग सीएमटी, सदस्य
- प्रो. एस.सी. कुंडू, एचएसबी, सदस्य
- प्रो. करम पाल नरवाल, एचएसबी, सदस्य
- प्रो. एम.सी. गर्ग, एचएसबी, सदस्य
- प्रो. एन.के. बिश्नोई, विभाग अर्थशास्त्र के, सदस्य
- प्रो. योगेश चाबा, विभाग सीएसई के, सदस्य
- प्रो. कुलदीप बंसल, विभाग गणित के, सदस्य
- डॉ. संजय तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर (प्रबंधन), डीडीई, सदस्य
- श्री विनोद कुमार, सहायक प्रोफेसर (कंप्यूटर विज्ञान), डीडीई, सदस्य
- डॉ सुनैना, सहायक प्रोफेसर (मास कम्युनिकेशन), डीडीई, सदस्य
- डॉ विजेंदर सिंह, सहायक प्रोफेसर (गणित), डीडीई, सदस्य
- डॉ कश्मीरी लाल, सहायक प्रोफेसर, विभाग। रसायन विज्ञान के, सदस्य
- डॉ (अकादमिक), सदस्य xix उप. रजिस्ट्रार (डीई), सदस्य सचिव

- **आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (CIQA) के कार्य**

CIQA के मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं:

- शिक्षार्थियों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में गुणवत्ता बनाए रखना।
- उच्च शिक्षा संस्थान के संपूर्ण संचालन में निरंतर सुधार सुनिश्चित करना।
- उन प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना जिनमें उच्च शिक्षा संस्थान को गुणवत्ता बनाए रखनी चाहिए।
- गुणवत्ता आश्वासन पर सूचना का प्रसार करना।

- आवधिक मान्यता और लेखा परीक्षा के माध्यम से गुणवत्ता वृद्धि के आंतरिककरण और संस्थागतकरण को सुनिश्चित करने के उपायों को अपनाना।
- संपूर्ण प्रणाली में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रणाली आधारित अनुसंधान का संचालन या प्रोत्साहन।
- विभिन्न गुणवत्ता संबंधी मुद्दों या दिशानिर्देशों के लिए उच्च शिक्षा संस्थान और आयोग के बीच समन्वय करना।
- वार्षिक रिपोर्ट के रूप में गुणवत्ता आश्वासन पर की गई गतिविधियों को रिकॉर्ड करना; और उच्च शिक्षण संस्थान की मान्यता और प्रत्यायन का समन्वय करना।

22. अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम :

- हिंदी भाषा के माध्यम से छात्र विचारों को स्पष्ट और प्रेरक रूप से संप्रेषित करने में सक्षम होंगे।
- छात्र प्रासंगिक जानकारी और तथ्यों के आधार पर प्रभावी मौखिक प्रस्तुति बनाना सीखेंगे।
- छात्र सिविल सेवा, एसएससी, बैंकिंग, एचपीएससी और सार्वजनिक सेवाओं एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी में हिंदी को वैकल्पिक विषय के तौर पर अपना सकेगें।
- साहित्य के माध्यम से छात्रों में संवेदनशीलता विकसित करना।
- भाषा और साहित्य से देश की जड़ों को मजबूत करने का प्रयास करना।
- साहित्य की शिक्षा देते हुए एक अच्छा, सुशिक्षित और सुसंस्कृत नागरिक तैयार करना इस कार्यक्रम के परिणामों में शामिल हैं।